तापमान
अधिकतम 37 .4 डिग्री
न्यूनतम 21.4 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, अप्रैल 28, 2024

09 नर्सरी से कक्षा 4 तक के टॉपर मेधावी सम्मानित

09 गायत्री मंत्र को कहा गया है महामंत्र : वेदार्थी

खबर संक्षेप

जिले में धारा 144 की लागू: बी. सतीश

सोनीपत। पुलिस आयुक्त बी.सतीश बालन ने जिले में धारा 144 लागू कर दी है। यह आदेश 41 दिन के लिए चुनावों के दौरान कानून व्यवस्था बिगड़ने को रोकने के लिए लगाए गए हैं। इस दौरान जिले में आग्नेयास्त्रों के प्रयोग पर पूरी तरह से रोक रहेगी और लाइसेंसी हथियार धारकों को आदेश दिए गए हैं कि वे तुरंत अपने हथियार पुलिस के पास जमा करवाएं, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

महिला को झांसे में ले सोने की बालियां लेकर फरार

गोहाना। शहर में आंबेडकर चौक में एक व्यक्ति ने रास्ता पूछने के बहाने एक महिला रोक लिया। इसके बाद वह उससे बातचीत करने लगा और उसे झांसे में ले लिया। वह महिला के सोने की बालियां लेकर फरार हो गया। शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। विष्णु नगर की सुदेश ने पुलिस को बताया कि वह किसी काम से आंबेडकर चौक की तरफ गई थी।

खड़े ट्रक से सरसों से भरी 13 बोरियां चोरी

गोहाना। शहर में हैफेड के वेयर हाउस के बाहर खड़े ट्रक से सरसों से भरी 13 बोरियां चोरी कर ली गईं। ट्रक चालक की शिकायत पर शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। महेंद्रगढ़ जिले में गांव डाडोत के अनिल कुमार ने पुलिस को बताया कि वह ट्रक चलाता है। ट्रक में अटेली मंडी से सरसों से भरी 785 बोरियां भरकर गोहाना में हैफेड के वेयर हाउस के लिए चला था। उसने रात को ट्रक को वेयर हाउस के बाहर खड़ा किया और सो गया। सुबह ट्रक से सरसों से भरी 13 बोरियां गायब मिली।

गुरु तेग बहादुर साहब का प्रकाश दिवस आज

सोनीपत। गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहब राज मोहल्ला सोनीपत में श्री गुरु तेग बहादुर साहब का प्रकाश दिवस रविवार को मनाया जाएगा। प्रातः 9:00 बजे अखंड पाठ साहब की समाप्ति होगी। इसके उपरांत स्त्री सत्संग सभा द्वारा सुखमनी साहब के पाठ किए जाएंगे। भाई करतार सिंह एवं साथी दिल्ली से गुरुद्वारा साहिब के पहुंचेंगे। समाप्ति उपरांत गुरु का लंगर वरताया जाएगा।

भागराम ट्रस्ट का साप्ताहिक रक्तदान शिविर कल

गोहाना। भागराम ट्रस्ट अपना साप्ताहिक रक्तदान शिविर सोमवार को शहर में सोनीपत मोड़ के टी प्वाइंट पर स्थित भगवान परशुराम चौक में लगाएगी। इस रक्तदान शिविर की अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गंगनेजा करेंगी। मुख्य अतिथि नगर गांव की सरपंच योगिता खुराना के पति प्रवीण खुराना होंगे। मार्गदर्शन स्टार रक्तदाता सुरेंद्र विश्वास का रहेगा।

चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

गोहाना। बरोदा थाना की पुलिस ने गांव धनाना से एक युवक को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया। वह बाइक को बेचने की फिराक में घूम रहा था। हवलदार नसीब पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। उनको सूचना मिली की गांव धनाना में आश्रम के निकट इसी गांव का सुरेंद्र चोरी की बाइक लेकर घूम रहा है और बेचने की फिराक में है।

पिपलीखेड़ा से अवैध शराब के साथ व्यक्ति दबोचा

गन्नौर। बड़ी औद्योगिक थाना पुलिस ने अवैध शराब सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मधुसूधन मोहंतो रायगंज, पश्चिम बंगाल हाल गांव पिपली खेड़ा का रहने वाला है। जानकारी देते हुए बड़ी थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि उनकी टीम पिपली खेड़ा रोड पर गश्त कर रही थी।

छह मई तक दर्ज करवा सकते हैं नामांकन, सात को होगी छंटनी

नामांकन प्रक्रिया कल से शुरू 17 लाख से अधिक मतदाता

4 जून को होगी मतगणना, सोनीपत लोकसभा में हैं 9 विधानसभा सीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

लोकसभा चुनावों का बिगुल पहले ही बज चुका था, लेकिन अब चुनावों की आधिकारिक शुरू होने जा रही है। नामांकन दाखिल करने के साथ ही चुनावों का मुख्य दौर शुरू हो जाएगा। प्रदेश में नामांकन दाखिल करने का समय 29 अप्रैल से तय किया गया है। जोकि 6 मई तक चलेगा। इसके बाद 7 मई का दिन नामांकनों की छंटनी की जाएगी, 9 मई तक उम्मीदवार अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। इस बार लोकसभा चुनाव में लोकसभा क्षेत्र के साढ़े 17 लाख के करीब मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगें।

बता दें कि सोनीपत लोकसभा क्षेत्र में कुल 9 विधानसभा आती हैं। जिसमें सोनीपत जिले की राई, गन्नौर, सोनीपत, खरखौदा, गोहाना, बरोदा के साथ-साथ जींद जिले की जींद, जुलाना और सफीदों विधानसभा भी शामिल हैं। इन सभी 9 विधानसभाओं में सबसे अधिक मतदाता सोनीपत विधानसभा में हैं।

सोनीपत एक दृष्टि में

सोनीपत लोकसभा में कुल 9 विधानसभा आती हैं, जिसमें सोनीपत, गन्नौर, राई, खरखौदा, गोहाना, बरोदा, सफीदों, जुलाना और जींद शामिल है। लोकसभा में 2019 में कुल 11 लाख 31 हजार 146 मतदाताओं ने अपने मतदान का प्रयोग किया था। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो सोनीपत लोकसभा लोकसभा में सोनीपत जिले की सभी 6 विधानसभाओं के साथ-साथ जींद जिले की 3 विधानसभा भी शामिल हैं। 9 विधानसभाओं वाली सोनीपत सीट को अगर विधानसभा के दृष्टिकोण से देखा जाए तो कांग्रेस का पलड़ा थोड़ा भारी पड़ता है। 9 में से 5 विधानसभाओं पर कांग्रेसी विधायक हैं, वहीं 3 पर भाजपाई, 1 विधानसभा जजपा के खाते में हैं।

पिछली बार से सवा लाख बढ़ गए मतदाता

पिछली बार वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव हुए थे। इन चुनावों में 23 अप्रैल 2019 तक के रिकॉर्ड के अनुसार जिले की सभी छह विधानसभाओं को मिलाकर मतदाताओं का कुल आंकड़ा 10 लाख 51 हजार 998 था। इसमें गन्नौर के 1,70,581, राई के 1,70,971, खरखौदा के 1,57,936, सोनीपत के 2,10,490, गोहाना के 1,67,894 और बरोदा के 1,74,125 मतदाता शामिल थे। वहीं इस बार के लोकसभा चुनावों में जिले के मतदाताओं की संख्या लगभग सवा लाख बढ़कर 11 लाख 75 हजार 252 तक पहुंच गई है।

ये है चुनाव का शेड्यूल

- 29 अप्रैल से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।
- 6 मई तक नामांकन दर्ज करवाए जा सकेंगे।
- 7 मई को नामांकनों की छंटनी की जाएगी।
- 9 मई तक उम्मीदवार अपना नामांकन वापस ले सकते हैं।
- 25 मई को मतदान होगा।
- 4 जून को मतगणना की जाएगी।

नामांकन प्रक्रिया के लिये नियुक्त किए इयूटी मैजिस्ट्रेट

जिलाधीश डॉ. मनोज कुमार ने लोकसभा चुनाव को लेकर होने वाली नामांकन प्रक्रिया के समय लघु सचिवालय के आस-पास कानून व्यवस्था बनाए रखने और आदर्श आचार संहिता की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए इयूटी मैजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। 09 मई तक लघु सचिवालय के प्रथम स्थल पर स्थित उपायुक्त कोर्ट रूम में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी जितेन्द्र कुमार तथा लघु सचिवालय परिसर तथा उसके आस-पास के 100 मीटर क्षेत्र में नायब तहसीलदार सोनीपत राहुल बुरा को इयूटी मैजिस्ट्रेट नियुक्त किया है।

ये है जिले में मतदाताओं की संख्या

विधानसभा क्षेत्र	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता	थर्ड जैंडर	कुल
गन्नौर	1,03,003	88,958	0	1,91,961
राई	1,04,436	88,876	9	1,93,321
खरखौदा	93,430	80,832	9	1,74,271
सोनीपत	1,24,649	1,14,584	5	2,39,238
गोहाना	1,01,526	88,482	10	1,90,018
बरोदा	1,00,897	85,545	1	1,86,443
कुल	6,27,941	5,47,277	34	11,75,252

नोट : यह आंकड़ा 5 मार्च 2024 तक का है। साथ ही जींद में 1,96,276, सफीदों में 1,91,157 व जुलाना में 1,80,847 मतदाता है, जिन्हें मिलाकर लोकसभा क्षेत्र में मतदाताओं का कुल आंकड़ा 17 लाख 43 हजार 532 पहुंच जाता है।

शराब की अवैध तस्करी को लेकर हुई बैठक

हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद की अध्यक्षता में शनिवार को वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से अवैध शराब की तस्करी की रोकथाम के दृष्टिगत प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी जिलों के उपायुक्तों समेत संबंधित विभागीय अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में मुख्य सचिव ने शराब की अवैध तस्करी को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। वीडियो कान्फ्रेंस के उपरांत उपायुक्त ने मौके पर ही कैंप कार्यालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेते हुए विस्तार से आवश्यक प्रबंधों को लेकर मंथन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि हर नाका पर एक्साईज व जीएसटी के एक अधिकारी की अलग से इयूटी लगाई गई है। अवैध शराब के मामले में चुनाव आयोग की हिदायतानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में आरटीओ एवं नोडल अधिकारी संजय कुमार, डीईटीसी एक्साईज नरेंद्र कौशिक, डीईटीसी सेल नीलरत्तन, डीआईओ विशाल सैनी आदि संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दो दुकानों से बैटरी व सामान चोरी, केस दर्ज

सोनीपत। दुकान का उखाड़ा गया शट्र।

- मोहाना थाना के चंद कदमों पर दुकान से सिलेंडर, सहित सामान चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मोहाना थाना क्षेत्र में गांव के मुख्य बस स्टैंड पर स्थित बैटरी सर्विस की दुकान से बैटरी चोरी होने व दूसरी दुकान से सामान के चोरी होने के दो मामले सामने आए है। दुकान संचालकों ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मुकदमें दर्ज कर लिए है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग पुलिस के हाथ लग सके।

गांव मोहाना निवासी मुकेश ने बताया कि उसने गांव के बस स्टैंड पर सैनी सर्विस की दुकान कर रखी है। गत 26 अप्रैल को दुकान बंद करके देर शाम आठ बजे घर चला गया। अगले दिन सुबह दुकान पर पहुंचा तो दुकान का शट्र उखड़ा हुआ पाया गया। अंदर जाकर सामान की जांच की तो एक बैटरी गायब मिली। जिसकी कीमत हजारों रुपये है। अपने स्तर पर बैटरी की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मौके का मुआयना कर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई अनम ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द मामले का पटाक्षेप कर दिया जायेगा।

थाने से चंद कदमों पर स्थित दुकान से सामान चोरी

वहीं दूसरे मामले में मोहाना निवासी बनारसी ने बताया कि उसने गोहाना रोड पर जल घर के पास मैन गेट के सामने चाय, ठंडे, बर्गर, का खोखा दुकान कर रखी है। दुकान से कुछ ही कदमों पर मोहाना थाना है। शुक्रवार रात को करीब 10 बजे दुकान बंद करके घर चला गया। सुबह आकर देखा तो सामान बिखरा हुआ मिला। दुकान से एक गैस सिलेंडर, नमकिन, बिस्कुट, सहित अन्य सामान गायब मिला। अपने स्तर पर सामान की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। जांच अधिकारी एसआई मनोज कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द चोरों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

यश गौतम ने जेईई मेन में हासिल किया 96.6 पर्सेंटाइल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

प्रताप स्कूल के विद्यार्थी यश गौतम सुपुत्र अनिल कुमार ने 5 अप्रैल 2024 को आयोजित जेईई मेन परीक्षा 96.6 पर्सेंटाइल रैंक लेकर प्रताप स्कूल और अपने परिवार को गौरवान्वित किया है। यश के साथ साथ नैंसी, उर्वशी, सोजल और अरमान ने भी जेईई में अच्छी पर्सेंटाइल हासिल कर अपने लिए सफलता के नए द्वार खोल लिए हैं। यश गौतम चौथी कक्षा से ही प्रताप स्कूल का विद्यार्थी रहा है। वह हमेशा से ही पढ़ाई के प्रति बेहद सजग प्रवृत्ति का विद्यार्थी रहा है। जिसके चलते उसने 10 वीं में 95.6% अंक हासिल किए। इससे पहले यश ने 2023 एनडीए की लिखित परीक्षा भी पास की और ए एफ एस बी वाराणसी में 5 दिन बिताए। यश ने पढ़ाई के साथ साथ एनसीसी में भी रूचि ली और सीनियर डिवीजन से बी प्रमाण पत्र प्राप्त किया। यश के अनुसार एनसीसी ने उसे शारीरिक और मानसिक प्रबलता प्रदान की। यश ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने प्रताप स्कूल के अध्यापकों को दिया है।

खरखौदा। यश का स्वागत करते हुए प्रताप स्कूल प्रबंधन।

डीक्रस्ट के शिक्षकों ने सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

- डीक्रूटा का आरोप कुलपति कर रहे हैं विश्वविद्यालय एक्ट व प्रदेश सरकार के नियमों की अवहेलना
- पुरानी रिसर्च पॉलिसी पर रोक व नई लागू न करने से रिसर्च के लिए आबंटित बजट हुआ लैप्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल की टीचर एसोसिएशन ने राई के विधायक मोहन लाल बडौली को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में डीक्रूटा ने आरोप लगाया है कि कुलपति प्रदेश सरकार के नियमों की अवहेलना करने के साथ ही साथ विश्वविद्यालय एक्ट की धज्जिया उड़ा रहे हैं। कुलपति द्वारा पुरानी रिसर्च पॉलिसी पर रोक व नई पॉलिसी लागू न होने से रिसर्च के लिए आबंटित बजट लैप्स हो गया। डीक्रूटा ने कुलपति पर विश्वविद्यालय का माहौल खराब करने का आरोप लगाया है। डीक्रूटा का कहना है विद्यार्थियों के हितों के लिए व विश्वविद्यालय बचाने के लिए धरना व रोष प्रदर्शन जारी रहेगा। डीक्रूटा ने ज्ञापन में कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की प्रमोशन पॉलिसी होल्ड पर है। यहां तक कि प्रदेश सरकार ने 30 जून 2023 तक के प्रमोशन पुरानी पॉलिसी के तहत करने के आदेश दिए थे। विश्वविद्यालय प्रशासन प्रदेश सरकार के इन आदेशों को मानने से भी इंकार कर रहा है। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक व रिसर्च के माहौल को खराब किया जा रहा है।

अपूरवल के नाम पर घुमा रहे हैं

डीक्रूटा ने ज्ञापन में कहा कि रिसर्च स्कॉलरों के एक्सटेंशन के केस जैसे यूआरएस व जेआरएफ के केसों को अप्रुवल देने की बजाय इधर ऊधर घुमाया जा रहा है। विश्वविद्यालय में प्लैगरिजम का सॉफ्टवेयर न होने के कारण विश्वविद्यालय के रिसर्च स्कॉलर अपनी थीसिज जमा नहीं करवा पा रहे हैं। डीक्रूटा ने ज्ञापन में कहा कि न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020 के तहत प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय में कोर्स चार साल के कर दिए गए हैं, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन सरकार द्वारा सभी विश्वविद्यालयों के लिए पॉलिसी बनाने के बाद भी लागू करने में इसलिए नाकाम रहा है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व सैवेधानिक बॉडीज को दरकिनार करके सैवेधानिक बॉडीज के ऊपर कमेटी बनाने में उलझा हुआ है,जिसके कारण डीसीआरयूएसटी तीन वर्षीय कोर्स का प्रदेश का अकेला विश्वविद्यालय रह गया है।

ये आरोप भी लगाए

डीक्रूटा ने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि विद्यार्थियों की एक्सट्रा को कुरिकूलर एक्टीविटी बंद कर दी गई हैं। विश्वविद्यालय में बेसिक फेसिलिटी पीने का पानी, टायलेट का साफ व ठीक न होना, पीने की पानी की टंकियों या पीने के पानी के फिल्टरों का साफ न होना। विश्वविद्यालय की लिफ्ट खराब जिसके कारण दिव्यांग विद्यार्थियों चार मंजिल तक सीढियों से जाने पर मजबूर हैं।

मकान के बाहर खड़ी कार चोरी, मुकदमा दर्ज

- क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सेक्टर-27 शहर थाना क्षेत्र में मकान के बाहर खड़ी गाड़ी के चोरी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस चोरों का पता लगाने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके। गांव इसराना पानीपत हाल में मकान नंबर-1217 सेक्टर-12 निवासी सुमित ने बताया कि वह स्कूल अकेडमी में बाक्सिंग की तैयारी कर रहा है। उसके पास उसके चाचा की गाड़ी है। जोकि उसके पास पांच-छह महीने से उसके पास ही है। हर रोज की तरह गाड़ी को घर के बाहर खड़ी करके अंदर चला गया। शनिवार सुबह घर के बाहर से गाड़ी गायब मिली। अपने स्तर पर गाड़ी की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ट्रेन में सफर के दौरान नकदी, आभूषण और मोबाइल से भरा पर्स चोरी

- सोनीपत रेलवे स्टेशन के पास चोरी किया पर्स
- पंजाब के अमृतसर स्थित रेलवे कॉलोनी जेएफ मिल निवासी मनोज ने अमृतसर में दर्ज कराया था मुकदमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दिल्ली पंजाब रेलमार्ग पर आम्रपाली एक्सप्रेस में सफर कर रहे परिवार का नकदी, आभूषण व मोबाइल से भरा बैग चोरी कर लिया गया। पीड़ित परिवार सोनपुर से पंजाब के अमृतसर जा रहा था। पीड़ित व्यक्ति ने अमृतसर राजकीय रेलवे पुलिस को मामले की शिकायत दी। जिस पर जीरो एफआईआर दर्ज कर सोनीपत जीआरपी को भेजी गई। पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है।

जेएफ मिल रेलवे कॉलोनी पंजाब निवासी मनोज नेअमृतसर जीआरपी को बताया कि वह अपनी पत्नी और बेटी संग बिहार के सोनपुर से पंजाब के अमृतसर जाने के लिए आम्रपाली एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे। वह 30 मार्च को चले थे। उनकी बेटी का पर्स उनके साथ था। पर्स में 21 हजार रुपये, सोने की बालियां, चांदी की पायल, मोबाइल व अन्य सामान था। ट्रेन 31 मार्च को तडके चार बजे से 4:26 तक सोनीपत स्टेशन पर खड़ी रही थी। इसी दौरान किसी ने उनका पर्स चोरी कर लिया। उन्होंने अमृतसर पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। जिस पर जीरो एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच सोनीपत जीआरपी को भेजी गई। अब सोनीपत जीआरपी ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी महावीर ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द चोरों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

बंद स्कूल से सोलर की 19 बैटरी ले गए चोर

- गांव नैना ततारपुर स्थित पंडित चिरंजीलाल शर्मा अकादमी के नाम से बनाया गया है स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मोहाना थाना क्षेत्र के गांव नैना ततारपुर स्थित पंडित चिरंजीलाल शर्मा अकादमी स्कूल से सोलर बैटरी चोरी होने का मामला सामने आया है। स्कूल परिसर की देखरेख करने वाले ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। कुराड़ निवासी जगदम्बा कंसवाल ने बताया कि वह मुरथल कुबेर होटल में बतौर मैनेजर के पद पर कार्यरत है। उनकी संस्था का गांव नैना ततारपुर में पंड़ित चिरंजीलाल शर्मा अकेडमी के नाम से स्कूल है। जोकि चार साल से बंद पड़ा है। स्कूल की देखरेख करने के लिए आता-जाता रहता है। साथ ही स्कूल में दो चौकीदार भी लगा रखे है। गत 25 अप्रैल को फोन पर चौकीदार ने बैटरी चोरी होने की सूचना दी। उसके बाद मोहाना थाना पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मौके का मुआयना किया।

रैली से मतदान के लिए किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

छिछड़ाना गांव स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को कथूरा खंड के स्वीप एक्टिविटी के नोडल अधिकारी सत्यनारायण वशिष्ठ के नेतृत्व में मतदाता शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत विद्यालय के विद्यार्थियों ने रैली निकाल कर मतदाताओं को लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए जागरूक किया।

नोडल अधिकारी सतनारायण वशिष्ठ ने बताते हुए कहा की कथूरा खंड के समस्त विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं अध्यापकगण लोकसभा चुनाव में सौ प्रतिशत मतदान करवाने के लिए विभिन्न स्वीप एक्टिविटी के तहत युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों को जागरूक कर रहे हैं। लोगों को प्रभात फेरी, स्लोगन एवं पोस्ट कार्ड के माध्यम से मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजन में प्रवक्ता सतीश कुमार, सपना, आशा, सविता, ज्योति, सारिका, ब्रह्म दत्त, सीमा मलिक, ललित, संजय कुमार, शील कुमार, सोमवती और मीना कुमारी का भी विशेष योगदान रहा।

गोहाना। लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक करते हुए विद्यार्थी।

कर्मचारियों की उपस्थिति में आएगी पारदर्शिता

मिड-डे-मील कर्मियों की लगेगी बायोमीट्रिक हाजिरी

- हर माह मुख्यालय को भेजनी होगी रिपोर्ट
- शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश, अवेहलना की तो होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को दोपहर के समय भोजन देने के लिये शुरू की गई योजना मिड-डे मील के तहत लगे कर्मचारियों के लिये नया समाचार है। इन कर्मचारियों की हाजिरी में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से अब इन कर्मचारियों की भी बायोमीट्रिक हाजिरी लगाई जाएगी। शिक्षा विभाग की ओर से जारी किए गए निर्देशों के अनुसार सभी मिड-डे मील कर्मचारियों को बायोमीट्रिक हाजिरी जगानी होगी, जो नए नियमों की पालना नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि जिले में 712 राजकीय स्कूल हैं। जिसमें 422 प्राथमिक और 290 अपर प्राथमिक विद्यालय हैं। इन विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने वाले करीब 82 हजार विद्यार्थियों के लिए मिड-डे-मील तैयार किया जाता है। इसमें प्राथमिक विद्यालयों के करीब 50 हजार और अपर प्राथमिक विद्यालयों के 32 हजार विद्यार्थी शामिल हैं। विद्यार्थियों के लिए मिड-डे-मील बेहतर तरीके से तैयार करवाने और कर्मचारियों की उपस्थिति में पारदर्शिता लाने के लिए कर्मचारियों की बायोमीट्रिक हाजिरी अनिवार्य कर दी है।

अपने स्थान पर भेज देते थे दूसरों को

मिड-डे-मील बनाने वाले कर्मचारी अक्सर स्कूल में समय पर नहीं पहुंचते थे। यही नहीं खाना बनाने के लिए कई बार अपने स्थान पर दूसरे को भेज देते थे। जिससे हाजिरी रजिस्टर में हाजिरी सौ फीसदी मिलती थी। इसको लेकर कई बार शिकायतें मिल रही थी। जिस पर संज्ञान लेते हुए मुख्यालय ने मिड-डे-मील कर्मचारियों की बायोमीट्रिक हाजिरी अनिवार्य कर दी है। इससे कर्मचारी समय पर आएंगे, अपने स्थान पर दूसरे को नहीं भेज सकेंगे और काम में भी पारदर्शिता लाई जा सकेगी।

सभी स्कूलों को करवाया अवगत

राजकीय स्कूलों में मिड-डे-मील योजना के तहत कार्यरत कर्मचारियों की बायोमीट्रिक हाजिरी लगाने के निर्देश दिए गए है। जिससे काम में पारदर्शिता लाई जा सके। इस संबंध में सभी स्कूलों को अवगत करा दिया है।
-जितेंद्र छिक्कारा, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड का दमदार प्रदर्शन, दिया बंपर रिटर्न

रिटेल निवेशकों ने किया कमाल, स्मॉलकैप में लगी रकम 83% बढ़ी ● मार्च में रिकॉर्ड निकासी के बाद भी नहीं घटी निवेशकों की कमाई ● इस साल स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड की संपत्ति 2.43 लाख करोड़ बढ़ी ● मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंची ● एक साल पहले 1.09 करोड़ थी, इसमें 81 लाख इजाफा हुआ ● म्यूचुअल फंड में रिटेल निवेशकों की भागीदारी में उछाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। यह निवेशकों को छप्पर फाड़ रिटर्न दे रहा है। स्मॉल-कैप फंड्स ने 1 साल में 70% तक रिटर्न दिया है। इसमें निवेश कर निवेशक मालामाल हो रहे हैं। मार्च में रिकॉर्ड निकासी के बावजूद भी स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में निवेशकों का क्रेज यानी दिलचस्पी कम नहीं हो रही है। इसका कारण है, इस फंड में लगातार रिटेल निवेशकों की भागेदारी का बढ़ना। जो इस स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड को लोगों के बीच लोकप्रिय बना रहा है और अच्छी कमाई भी करवा रहा है। लगातार रिटेल निवेशकों की भागीदारी में उछाल और बाजार में तेजी से मार्च 2024 के अंत में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड कैटिगरी की संपत्ति 2.43 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गई। यह सालाना आधार पर 83 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है। संपत्ति में वृद्धि को निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी ने ताकत दी। मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंच गई, जो एक साल पहले 1.09 करोड़ थी। इसमें 81 लाख इजाफा हुआ। यह स्मॉल-कैप फंड के प्रति निवेशकों के रुझान को दिखाता है।

निवेशकों को मिल रहे अवसर

बाजार के जानकारों को कहना है कि इस समय भारत की अर्थव्यवस्था लगातार तेजीर से बढ़ रही है। इसलिए निवेशक भी स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। लोग लगातार एसआईपी या लंपसप निवेश कर रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था का वृद्धि पथ लोगों की बढ़ी हुई रुचि को दिखाता है। इससे कई गैर-सूचीबद्ध स्मॉल-कैप कंपनियां पूंजी बाजार से समर्थन मांग रही हैं। यह प्रवृत्ति दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर नजर रखने वाले निवेशकों को आशाजनक अवसर प्रदान करती हैं। हालांकि आम चुनाव, मॉनसून पूर्वानुमान, आर्थिक गतिविधि, इंफ्लेशन, जीडीपी अनुमान और वित्त वर्ष 2024-25 की आय वृद्धि जैसे फैक्टर स्मॉल-कैप कंपनी के वैल्यूएशन को प्रभावित कर सकते हैं और इस कैटिगरी में अस्थिरता ला सकते हैं। हालांकि इस सबके बावजूद स्मॉल-कैप कंपनियां ग्रोथा हासिल करने में सक्षम होंगी। इसमें निवेश अभी फायदे का सौदा हो सकता है। हालांकि एक्सपर्ट्स साफ कहते हैं कि थोड़ा रिस्क लेने की क्षमता रखने वाले लोगों को ही इनमें निवेश करना चाहिए।

40,188 करोड़ का इनफ्लो

वित्त वर्ष 2023-24 में स्मॉल-कैप फंड में 40,188 करोड़ रुपये का इनफ्लो देखा गया, जो पिछले वित्त वर्ष में दर्ज 22,103 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। हालांकि मार्च के महीने में स्मॉल-कैप फंड में दो साल में पहली बार 94 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली भी देखी गई। असोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड की एयूएम मार्च 2023 के अंत में 2.43 लाख करोड़ रुपये और मार्च 2022 में 1.33 लाख करोड़ रुपये थी।

क्या है वजह

शेयर बाजार में निवेशकों का पैसा बढ़ा है। इसके चलते इक्विटी रूट के जरिए निवेशकों का पैसा आ रहा है और बाजार में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में अच्छा रिटर्न मिल रहा है। इसके चलते स्मॉलकैप और मिडकैप म्यूचुअल फंड में भी इंवेस्टमेंट बढ़ रहा है।

बढ़ रही रिटेल निवेशकों की दिलचस्पी

म्यूचुअल फंड में रिटेल निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी के कारण पिछले पांच साल में फोलियो की संख्या दोगुनी हो गई है। रिसर्च फर्म आईसीआरए के अनुसार मार्च 2024 तक म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो की कुल संख्या 17.79 लाख करोड़ हो गई। मार्च 2020 में इसकी संख्या 8.97 लाख करोड़ थी। आईसीआरए एनालिटिक्स ने कहा कि रिटेल निवेशक म्यूचुअल फंड के जरिये इक्विटी और बॉन्ड में निवेश करने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। फोलियो की लिस्ट में इक्विटी ओरिएंटेड फंड 68.7%, ईटीएफ 11.7% और हाइब्रिड स्कीम में 7.7% हिस्सेदारी है। मार्च 2024 तक इसके एयूएम पिछले पांच वर्षों में दोगुनी से अधिक होकर 53.40 लाख करोड़ रुपये हो गई है। मार्च 2020 में यह 22.26 लाख करोड़ रुपये थी।

क्या हैं स्मॉल-कैप फंड

स्मॉल-कैप म्यूचुअल वे फंड होते हैं, जो छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं। यानी ऐसी कंपनियां जिनके शेयरों की वैल्यू काफी कम है। इन्हें हम स्मॉलकैप कंपनियां कहते हैं। हालांकि, शेयर बाजार में लिस्टेड ऐसी कंपनियों के कारोबार में बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं का आकलन करने के बाद ही इनकी पहचान की जाती है। मार्केट कैप के लिहाज से शेयर बाजार की शीर्ष 250 कंपनियों को छोड़कर बाकी में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड निवेश करते हैं। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड अपने निवेश की रकम का 65% तक छोटी कंपनियों में लगाते हैं। इसके बाद बची 35% रकम को फंड मैनेजर मिड या लार्ज कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।

एसआईपी के जरिए निवेश सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता। इसलिए एसआईपी के जरीये निवेश बेहतर है।

लम्बे समय के लिए निवेश फायदेमंद

कम समय में ज्यादा रिटर्न के लिए स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड स्कीम्स का रुख न करें। इसमें आपका नुकसान होना तय है। अगर आपकी लंबे समय तक निवेश की योजना है और जोखिम लेने की क्षमता हो तभी इन स्कीम्स का रुख करें। इनमें ज्यादा जोखिमछोटे कैप स्टॉक जोखिमपूर्ण होते हैं, क्योंकि उनमें कम कारोबार होता है। उदाहरण के लिए, एक कंपनी के पास एक अनूठी सेवा/उत्पाद हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त वित्त नहीं हो सकता है। तो, कभी-कभी धन की कमी एक बिजनेस को विफल कर देती है। लार्ज कैप शेयरों की तुलना में छोटे कैप स्टॉक ज्यादा अस्थिर होते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार इसमें एसआईपी के जरिए निवेश करना ज्यादा सही रहता है।

लार्ज-कैप पर बढ़ रहा निवेशकों का भरोसा!

- बड़ी कंपनियों के शेयरों और ईटीएफ में लगातार बढ़ रहा निवेश
- सेबी के 'स्ट्रेस टेस्ट' के नतीजे भी निवेशकों को प्रभावित कर रहे
- सेबी के स्मॉल-कैप के मूल्यांकन पर लगाम लगाने के प्रयासों का असर मार्च 2024 में दिखा, निवेश कम हुआ

बचत
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार नियामक सेबी के छोटे शेयरों वाली स्कीम (स्मॉल-कैप) के अत्यधिक मूल्यांकन पर लगाम लगाने के प्रयासों का असर निवेशकों पर दिखने लगा है। अब निवेशकों का रुझान लार्ज-कैप की और बढ़ने लगा है। अगस्त 2021 के बाद पहली बार, मार्च 2024 में स्मॉल-कैप स्कीम में निवेश कम हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 15 महीनों में लगातार हर महीने औसतन 3300 करोड़ रुपये के निवेश के बाद, मार्च में इन स्कीम से 94 करोड़ रुपये की कुल निकासी देखने को मिली। हालांकि इसके बावजूद भी इन स्कीमों में निवेश हो रहा है। सेबी द्वारा कराए गए 'स्ट्रेस टेस्ट' के नतीजे भी निवेशकों के सेंटीमेंट को प्रभावित कर रहे हैं। इन परीक्षणों में यह पता लगाया गया कि स्मॉल और मिड-कैप फंडों को अपने पोर्टफोलियो का कितना हिस्सा जल्दी बेचना पड़ सकता है। सेबी के आदेश के अनुसार, म्यूचुअल फंड कंपनियों को हर महीने 15 तारीख को मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्कीम के लिए तरलता, अस्थिरता, मूल्यांकन और पोर्टफोलियो कारोबार से जुड़े आंकड़ों को सार्वजनिक करना होता है।

पिछले साल मचाई धूम

वर्ष 2023 में छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों (मिड और स्मॉल-कैप) ने तो धूम मचा दी थी। निवेशकों ने इनमें 64,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का निवेश किया। लेकिन बाजार नियामक सेबी को ये चिंता सता रही थी कि क्या जरूरत पड़ने पर ये फंड आसानी से अपने शेयर बेच पाएंगे?

लार्ज-कैप व ईटीएफ पर ध्यान

स्मॉल-कैप फंडों में निवेश कम होने के साथ ही बड़ी कंपनियों के शेयरों (लार्ज-कैप) वाले फंडों की तरफ निवेशकों का रुझान बढ़ रहा है। मार्च 2024 में लार्ज-कैप फंडों में 2,130 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया, जो पिछले 21 महीनों में सबसे ज्यादा है। गौर करने वाली बात यह है कि पहले हर महीने औसतन 115 करोड़ रुपये का निवेश बाहर निकलता था, जबकि अब इसके उल्टा हो गया है। दिलचस्प है कि मार्च 2024 में स्मॉल-कैप में जाने वाले निवेश का लगभग 70% अब लार्ज-कैप की ओर रुख कर गया है। सिर्फ इतना ही नहीं, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में भी निवेश बढ़ रहा है। मार्च 2024 में ईटीएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया, जबकि इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश होता था। कुल मिलाकर, निवेशकों की पसंद बदल रही है। वे अब छोटी और मझोली कंपनियों के फंडों के बजाय बड़ी कंपनियों और ईटीएफ जैसे विकल्पों को तरजीह दे रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा

रिपोर्ट में कहा गया है, म्यूचुअल फंड में कुल मिलाकर तो पैसा आ ही रहा है, लेकिन निवेशकों की पसंद बदल रही है। पहले जहां उनका रुझान छोटी और मझोली कंपनियों (स्मॉल और मिड-कैप) वाले फंडों की तरफ था, वहीं अब वो बड़ी कंपनियों (लार्ज-कैप) और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) जैसे विकल्पों को तरजीह दे रहे हैं। ये बदलाव फंड मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) के लेवल पर भी दिख रहा है। कुछ एएमसी में स्मॉल और मिड-कैप फंडों से पैसा निकल रहा है, जबकि कुछ में बड़े पैमाने पर पैसा जमा हो रहा है।

बदल रही पसंद

- रिपोर्ट के मुताबिक, इस बदलाव की एक वजह ये भी हो सकती है कि स्मॉल-कैप फंडों ने मिड-कैप फंडों के मुकाबले कम रिटर्न दिया है, जिससे निवेशक अब ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते।
- अलग-अलग फंडों की बात करें तो लार्ज-कैप फंडों में पैसा जमा करने की रफ्तार पहले कम थी, लेकिन अब बढ़ रही है।
- मिड-कैप फंडों में ये रफ्तार स्थिर थी, लेकिन अब बदलने के संकेत मिल रहे हैं। सबसे ज्यादा चिंता की बात स्मॉल-कैप फंडों को लेकर है। फरवरी 2021 के बाद पहली बार इन फंडों में नए खाते खुलने की संख्या घटी है, जो निवेशकों की घटती दिलचस्पी को दर्शाता है।
- मार्च 2024 में नए लार्ज-कैप फंडों में जबरदस्त उछाल आया है। ये दिसंबर 2021 के बाद से सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। इसके उलट, पिछले दो महीनों में नए मिड-कैप फंडों में गिरावट देखी गई है, हालांकि ये कमी स्मॉल-कैप की तुलना में कम है।
- शायद निवेशक मिड-कैप में अभी भी संभावनाएं देख रहे हैं, लेकिन थोड़ा इंतजार करना चाहते हैं।

यह भी गौर वाली बात

गौर करने वाली बात ये है कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजर भी अपनी रणनीति बदल रहे हैं। मार्च में बिकवाली के दौरान उन्हें निवेश के लिए नकदी का इस्तेमाल करने का मौका मिला। साथ ही, वो लगातार लार्ज-कैप शेयरों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं, जो मार्च 2024 में अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 7.5% पर पहुंच गई है। ये कदम संकेत देते हैं कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजर जोखिम कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

म्युचुअल फंड की कई स्कीमों ने दिया 40% से 71% मुनाफा

रिटर्न देने में स्टॉक मार्केट को भी पीछे छोड़ा, एक साल में दिखे ऐसे कई लार्जकैप म्यूचुअल फंड, एसआईपी के जरिये निवेश कर हो सकते हैं मालामाल,लार्जकैप सेगमेंट में मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से टॉप 100 कंपनियां

मुनाफा
बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024 की बात करें तो बीते करीब 1 साल में ऐसे कई लार्जकैप म्यूचुअल फंड हैं, जिन्होंने रिटर्न देने के मामले में स्टॉक मार्केट को भी पीछे छोड़ दिया है। एक रिपोर्ट पर नजर डालें तो कम से कम 10 लार्जकैप फंड ऐसे दिख रहे हैं, जिनमें 1 साल के दौरान 40 फीसदी से 71 फीसदी तक रिटर्न मिला है। लार्ज-कैप फंड म्यूचुअल फंड की वह कैटेगरी है, जो लार्ज कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। लार्जकैप म्यूचुअल फंड अलग अलग लार्जकैप स्टॉक के जरिए आपके पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड कर देते हैं। लार्जकैप सेगमेंट में आमतौर पर मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से टॉप 100 कंपनियां शामिल हैं। इनमें आरआईएल, टीसीएस, एचयूएल, एसबीआई, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयर मुख्यतः शामिल होते हैं।

एक सुरक्षित विकल्प

म्यूचुअल फंड में निवेश, सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश की तुलना में एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। वहीं, इन स्कीम में रिटर्न भी हाई है। कई स्कीम तो स्टॉक मार्केट की तरह ही रिटर्न दे रही हैं। इसी के चलते म्यूचुअल फंड निवेश का पॉपुलर विकल्प बन गया है। इक्विटी म्यूचुअल फंड में भी स्टॉक मार्केट की तरह ही अलग-अलग कैटेगरी हैं। मसलन लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप फंड। जो निवेशक सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा रिटर्न की इच्छा रखते हैं, उनके लिए म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इक्विटी सेगमेंट में भी लार्जकैप म्यूचुअल फंड ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं। असल में लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार का उतार चढ़ाव का अच्छे से सामना करने की क्षमता होती है। इसलिए अक्सर निवेशकों में लार्ज कैप में निवेश करने की ललक दिखाई देती है, जो इन फंडों निवेश के लिए काफी सुगम बनाती है और निवेशकों को ये स्कमी ज्यादा आकर्षित करती है। क्योंकि लार्ज कैप फंड में निवेश काफी कम रिस्की होता है और बढ़िया रिटर्न भी मिलता है।

किसे करना चाहिए निवेश

अगर आप बाजार के उतार चढ़ाव को पसंद नहीं करते या ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता नहीं है, फिर भी इक्विटी की तरह ज्यादा रिटर्न चाहते हैं तो लार्ज-कैप फंड आपके लिए परफेक्ट विकल्प है। हालांकि ऐसा नहीं है कि लार्ज-कैप में रिस्क नहीं है या बाजार के वोलैटिलिटी का असर नहीं होता, लेकिन इनमें अस्थिरता मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में कम होती है। ये मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में बाजार की अस्थिरता से मजबूती से निपट सकते हैं। असल में लार्जकैप फंड में अलग अलग सेक्टर की अलग अलग ब्लूचिप कंपनियों के स्टॉक होते हैं। इन ब्लूचिप का मार्केट कैप ज्यादा होता है और इनका बेस भी मजबूत होता है। ऐसी कंपनियां कैश रिच होती हैं।

इन्होंने किया कमाल

- आईसीआईसीआई प्रू भारत 22 एफओएफः 71%
- जेएम लार्जकैपः 48%
- निप्पॉन इंडिया लार्जकैप फंडः 47%
- डीएसपी निफ्टी 50 इक्वल वेट इंडेक्सः 45%
- आईसीआईसीआई प्रू ब्लूचिप फंडः 44%
- बड़ौदा बीएनपी परिबा लार्जकैपः 43%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैपः 43%
- एचडीएफसी टॉप 100: 41%
- बंधन लार्जकैप फंडः 41%
- मिरे एसेट इक्विटी अलोकेटर एफओएफ : 40%

क्या हैं लार्ज कैप फंड

लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड इक्विटी फंड होते हैं जो मुख्य रूप से लार्ज-कैप कंपनी स्टॉक में निवेश करते हैं। ये वे प्रतिष्ठित कंपनियां हैं, जिनका संपत्ति बनाने का बेहतरीन रिकॉर्ड है। चूंकि इन कंपनियों की स्थापना पहले ही की जा चुकी है, इसलिए वे मिड और स्मॉल-कैप फंड स्कीम की अपेक्षा कम जोखिम लेकर स्थिर आय जनरेट करते हैं। कम जोखिम और लॉन्ग-टर्म निवेश होरिजोन पसंद करने वाले निवेशकों को लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड के बारे में जानना चाहिए। ये योजनाएं रिलायंस, टीसीएस, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और अन्य जैसी शीर्ष कंपनियों में पूंजी का एक महत्वपूर्ण भाग (लगभग 80 प्रतिशत) निवेश करती हैं। वे अपने विशिष्ट सेगमेंट में मार्केट लीडर हैं और वे मजबूत मार्केट लीडर हैं।

बढ़िया रिटर्न के लिए सिर्फ इक्विटी में पैसे न लगाए ■ डेट स्कीम को भी अपनाएं और निवेश का फायदा लें ■ निवेश की सही स्ट्रैटेजी क्या होनी चाहिए, रखें ध्यान ■ डेट फंड में एयूएम का 95 फीसदी से अधिक कॉर्पोरेट संस्थाओं से आता है ■ 90 फीसदी से अधिक इक्विटी एयूएम रिटेल और एचएनआई से आता है

डेट फंड को भी कम न आंकें, ये भी दे सकते हैं मोटा मुनाफा

जानकारी
बिजनेस डेस्क

यदि आप भी निवेश की यात्रा शुरू करने जा रहे हैं तो थोड़ा सावधानी के साथ निवेश करें। निवेशक डेट म्यूचुअल फंड को कम न आंके, चूंकि ये फंड भी आपको मोटा मुनाफा करवा सकते हैं और आपके पैसे को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसलिए आपके पोर्टफोलियों में डेट फंड भी होने चाहिएं। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अब तक ऐसा ट्रेंड देखने को मिलता आया है कि रिटेल निवेशक प्रमुख रूप से इक्विटी प्रोडक्ट में निवेश करते हैं, जबकि कॉर्पोरेट बड़े पैमाने पर डेट या फिक्स्ड इनकम वाले प्रोडक्ट में निवेश करते हैं। दिसंबर 2023 के एएमएफआई (एएमएफआई) आंकड़ों के अनुसार, डेट म्यूचुअल फंड में एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का 95 फीसदी से अधिक कॉर्पोरेट संस्थाओं से आता है, जबकि 90 फीसदी से अधिक इक्विटी एयूएम रिटेल और एचएनआई निवेशकों की ओर से आता है। तो क्या आप भी रिटेल निवेशक हैं और सिर्फ इक्विटी स्कीम पर फोकस कर रहे हैं। अगर कर रहे हैं तो क्या यह स्ट्रैटेजी सही है।

निवेश की प्रक्रिया बेहद आसान

म्यूचुअल फंड में निवेश की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सरल और व्यवस्थित हो गई है। यहां तक कि लिक्विड फंड और ओवरनाइट फंड में 50,000 रुपये तक की निकासी कुछ ही सेकंड में की जा सकती है। सेविंग्स अकाउंट या लिक्विड और ओवरनाइट म्यूचुअल फंड के बीच रिटर्न के टैक्सेशन की दर में कोई अंतर नहीं है, क्योंकि दोनों मार्जिनल रेट पर टैक्सेबल हैं। ओवरनाइट फंड में भी कोई एक्जिट लोड नहीं होता है।

रिटेल निवेशकों की डेट में भागीदारी कम

सबसे पहले, अगर आप ओवरआल एफडी वॉल्यूम पर विचार करते हैं तो यह म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री से भी आगे निकल जाता है। इसके अलावा, अगर आप ईपीएफओ बैलेंस, पोस्ट ऑफिस की स्मॉल फाइनेंस स्कीम और इस तरह की अन्य विकल्पों को जोड़ते हैं तो यह साफ है कि रिटेल निवेशक फिक्स्ड इनकम वाले विकल्पों में निवेश करने पर ज्यादा विचार करते हैं। वहीं, रिटेल निवेशक वास्तव में डेट म्यूचुअल फंड में हिस्सा नहीं के बराबर लेते हैं। लिक्विड और ओवरनाइट फंड में रिटेल निवेश 55,000 करोड़ रुपये से भी कम है, जबकि इनकी तुलना में देश में करंट अकाउंट और सेविंग्स अकाउंट में 23 लाख करोड़ रुपये जमा हैं।

क्यों हैं डेट को लेकर कम आकर्षण

डेट फंड में रिटेल निवेशकों के बीच कम आकर्षण की एक वजह इसे लेकर जानकारी की कमी है। कई वित्तीय सलाहकार भी इन प्रोडक्ट पर कम मार्जिन के चलते ध्यान नहीं देते हैं। वहीं दूसरी ओर, कन्जर्वेटिव निवेशकों के लिए बैंक ब्रॉन्च या रिलेशनशिप मैनेजर की व्यक्तिगत सुविधा बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि खासतौर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए, किसी बैंक ब्रॉन्च में जाकर ब्रॉन्च मैनेजर के साथ बातचीत करके निवेश की सलाह लेना आसान होता है।

डेट फंड में कई फायदे

दूसरा, एक कैटेगरी के रूप में, डेट म्यूचुअल फंड निवेशकों को कई तरह के महत्वपूर्ण बेनेफिट प्रदान करते हैं, चाहे वे रिटेल निवेशक हों या कॉर्पोरेट। आज, रिटेल निवेशक आमतौर पर अपना पैसा सेविंग्स अकाउंट में रखते हैं, जिस पर सालाना 3-4 फीसदी के बीच में आय होती है। हालांकि, म्यूचुअल फंड निवेश के लिए कई तरह के विकल्प पेश करते हैं, जिनमें निवेशकों को बेहतर रिटर्न देने की क्षमता होती है। ये 6 से 6.5 फीसदी या इससे भी ज्यादा सालाना रिटर्न दे सकते हैं। तुरंत लिक्विडिटी के उद्देश्य के लिए ओवरनाइट फंड हैं। वहीं लिक्विड फंड ऐसी स्कीम है, जिसकी मैच्योरिटी 3 महीने की होती है। मनी मार्केट फंड हैं जो आपको 12 महीने के लिए पैसा निवेश करने में मदद करते हैं।

कॉरपोरेट्स और ट्रेजरी

इन प्रोडक्ट का उपयोग कॉरपोरेट्स और ट्रेजरी द्वारा अपने सरप्लस फंड को निवेश करने के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है। कॉरपोरेट ट्रेजरी शायद ही कभी अपना पैसा सेविंग्स अकाउंट में रखते हैं. ऐसे में सवाल है कि रिटेल निवेशकों को अपने पैसे पर बेहतर रिटर्न पाने के लिए इन फंडों का उपयोग क्यों नहीं करना चाहिए? साफतौर पर ऐसे कुछ कारण हैं, जिनकी वजह से आज यह आदर्श विकल्प बन गया है।

चेक करें फायदा और नुकसान

बहुत से निवेशक ऐसे हैं जो अपना एक बड़ा फंड बैंक में लंबे समय तक सेविंग्स अकाउंट में रखते हैं। उस पर चाहे जो भी रिटर्न मिले, वह ध्यासन नहीं देते हैं। आप खुद इसका नुकसान चेक कर सकते हैं। जब आप अगली बार अपने बैंक खाते की डिटेल जांचें, तो देखें कि पिछले 12 महीनों में आपके पास हर महीने (अपने सभी खर्चों और ईएमआई का भुगतान करने के बाद) कितना अतिरिक्त पैसा था। फिर इस सरप्लस फंड को लिक्विड फंड में लगाने से आपको जो अतिरिक्त रिटर्न मिलता, उसे कैलकुलेट करें। एक एवरेज रिटर्न के रूप में, आप कैलकुलेशन के लिए 6.5 फीसदी का उपयोग कर सकते हैं, क्योंकि लिक्विड फंड ने पिछले साल में करीब इतना रिटर्न दिया है। इसकी तुलना आपके बैंक द्वारा आपके बचत खाते पर दी जाने वाली ब्याज दर से करें। आप खुद दोनों के बीच अंतर को देखकर चौंक जाएंगे कि आप सरप्लस पैसा लिक्विड फंड में निवेश करते तो कितना अतिरिक्त पैसा कमा सकते थे। आरबीआई के अनुसार, दिसंबर 2023 तक, एक अनुमान के अनुसार, भारत में करंट अकाउंट और बचत खातों में लगभग 23 लाख करोड़ रुपये जमा हैं, यानी निवेशक हर साल लगभग 60,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रिटर्न क्षमता पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

रोहतक। रेलवे स्टेशन के पास रेल की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जीआरपी के एएसआई हरिओम ने बताया कि युवक की उम्र करीब 25 साल है और उसके हाथ पर अंग्रेजी में मोम, डैड लिखा हुआ है। उन्होंने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर पीजीआई डेड हाउस में रखवा दिया गया है और शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि युवक ने चैक शर्ट, लाइट ग्रीन कलर का लोअर पहन रखा था।

मायना के पास ट्रक-बाइक की टक्कर, युवक की मौत

रोहतक। गांव मायना के पास ट्रक व बाइक की टक्कर हो गई। इस दौरान बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के भाई रणजीत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दोनों भाई शुक्रवार दोपहर को तूड़ा ढोने वालों की तलाश में निकले थे। रणजीत दूसरी बाइक पर अपने भाई सुशील से 20 कदम की दूरी पर था। इस दौरान झज्जर-रोहतक रोड की तरफ आ रहे ट्रक ने सुशील की बाइक में टक्कर मार दी। जिसके कारण सुशील की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी।

गांव खरावड़ के पास बिजली के तार चोरी

रोहतक। आईएमटी के पास गांव खरावड़ रोड बिजली के खंबे से तार चोरी होने का मामला सामने आया है। गांव पाक्समा निवासी बिजेन्द्र ने आईएमटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बिजली निगम में जेई के पद पर कार्यरत है। वह आईएमटी एरिया में बिजली का काम करता है। शुक्रवार की रात आईएमटी के पास खरावड़ रोड पर एक लाइन के खंबे से तार कटे हुए मिले है। जो किसी अज्ञात व्यक्ति ने काट कर चोरी कर लिए है। बिजेंद्र ने दी शिकायत में बताया कि वह तारों की किमत करीब एक लाख 95 हजार रुपये है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुरानी सब्जी मंडी से मोटर साइकिल चोरी

महम। कस्बा महम की पुरानी सब्जी मंडी से एक मोटर साइकिल चोरी की वारदात सामने आई है। पुलिस को दी शिकायत में सीसर खास गांव निवासी रवि शर्मा पुत्र सीता राम शर्मा ने बताया कि उसने सुबह साढ़े 8 बजे अपनी काले रंग की सप्लेंडर मोटर साइकिल महम की पुरानी सब्जी मंडी में खड़ी की थी। दोपहर को 12 बजे जब उसने अपनी मोटर साइकिल देखी तो वहां पर नहीं मिली। उसने की उसकी काफी तलाश की लेकिन कहीं पर भी नहीं मिली। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो दिन रहेगी खरीद बंद गेहूं उठान पर रहेगा जोर

सांपला। गेहूं के जल्द से जल्द उठाने को लेकर दो दिन गेहूं की खरीद बंद रहेगी। जिला उपायुक्त अजय कुमार ने खरीद एजेंसी व फसल ढुलाई करने वाली एजेंसी को सख्त निर्देश दिए। शनिवार को भी मंडी में खरीद नहीं की गई। केवल गेहूं का उठान किया है। बताया गया अब तक जो एजेंसी ने गेहूं खरीदा है उसका 35 प्रतिशत ही उठाना पाया है। जबकि बार-बार मौसम बदल रहा है गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा होने के कारण बारिश की भेंट चढ़ रहा है।

राजेंद्र नगर निवासी युवक के साथ 2 लाख की ठगी

रोहतक। पुलिस हर रोज ऑनलाइन ठगी को लेकर जागरूक करती है। फिर भी ऑनलाइन ठगी के मामले रुकने का नाम नहीं ले रही है। राजेंद्र नगर निवासी दीपक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक अनजान व्यक्ति ने रिश्तेदार बनकर 26 अप्रैल को फोन किया और कहा कि अपने मौसी के लड़के की अस्पताल में पेमेंट करनी है, एक लाख रुपये भेज दीजिए। फिर आरोपित व्यक्ति ने गूगल पे नंबर बताया और फिर पांच बार में गूगल पे कर पैसे आनलाइन ट्रांसफर कर दिए। युवक ने पहले बार में 10 हजार, 25 , 20 हजार व 19 हजार 500 व फिर 50-50 हजार की दो पेमेंट ट्रांसफर कर कुल एक लाख 99 हजार 500 रुपये आनलाइन भेज दिए।

गीता विद्या मंदिर में आयोजित बालसभा कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

विद्यार्थियों ने एकल व समूह लोक नृत्य में मचाई धूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

स्थानीय गीता विद्या मंदिर में शनिवार को बाल सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कथा-कथन, एकल व समूह लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। विवेकानंद सदन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का संयोजन संगीत आचार्या रजनी ने किया। मंच संचालन की रीना खासा व सोनिया जावा ने संयुक्त रूप से किया। अध्यक्षता प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की। एकल नृत्य में खुशी, दिपांशी, अंशिका, प्रतिज्ञा, आँचल, वंशिका, रिद्धि, भाविका, आशमी, आर्या, मानसी और इति ने उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। सामूहिक नृत्य में मानसी, कामना, ईशिका, यशिका, हंसिका, प्रियांशी, नितिक्षा, मानवी, श्रेया, कनिका, प्रियांशी, मानवी, तन्नू, कल्पना, रीना, अन्नु, जिया, यशिका, पारुल, मानसी, सानवी, यशिका, नैन्सी, नव्या, हर्षिता, खुशी, पूर्वी, अनुष्का, यशिका, गर्वित, तान्या, गिरिषा, यशिका व तान्या ने अपनी कला प्रतिभा की धूम मचाई। कथा-कथन में मुस्कान, अनुष्का, छवि, दिवांशी, दिपांशी, दीक्षा, रिजुल, अवंतिका, अंजली, हिनल, चिराग व इराज ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

गोहाना। समूह लोक नृत्य में मनभावन प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थी फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। विद्यार्थियों के साथ क्लब के पदाधिकारी एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

50 बच्चों को दी स्कूल यूनिफार्म

सोनीपत। रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत अरडेंट ने आज भूरी गांव के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में 50 गरीब बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की। क्लब के प्रधान डॉ. निखिल चुघ ने बताया कि क्लब समय-समय पर गरीब बच्चों को यूनीफॉर्म, स्टेशनी, बिस्किट फल आदि वितरित करता रहता है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मीना धनखड़ ने की। कार्यक्रम में डॉ. मंजीत कौर, आशु नागपाल, सुनील मनचंदा, पुनीत जग्गा, राजेश कटारिया आदि सहित क्लब के अनेक सदस्य मौजूद रहे।

खरखौदा। विजेता विद्यार्थियों के साथ प्राचार्य रामबीर सिंह। फोटो :हरिभूमि

कविता पाठ में मानसी रही प्रथम

खरखौदा। ब्रह्मशक्ति सीनियर सेकेंडरी स्कूल थाना कलां में इंग्लिश व हिंदी सुलेख तथा कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य रामबीर सिंह ने बताया कि विद्यालय में छात्रों के लेख सुधार के लिए बहुत प्रयास किए जाते हैं। इसे और अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा का आयोजन कर सुलेख प्रतियोगिता करवाई गई है। जिसमें विद्यालय के सभी छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग से इंग्लिश में अंशिका, मानसी, मनीषा व हिंदी में रितिका, निशा तथा दिव्या, मिडिल वर्ग में इंग्लिश में प्रियंका, निमिषा, सोनम व हिंदी में साक्षी, लक्षिता व साक्षी, प्राथमिक विभाग में इंग्लिश में केंजल, मानवी व वंश तथा हिंदी में प्रिया, वृतिका व ओजस्वी ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ-साथ कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें मानसी प्रथम, भूमि द्वितीय तथा रिया तृतीय स्थान पर रही। प्राचार्य ने सभी विजेता छात्रों व उनके अध्यापकों को बधाई दी।

प्रथम इमर्जर इंटरनेशनल चेस रेटिंग प्रतियोगिता शुरू

सोनीपत। खेवड़ा स्थित एक निजी स्कूल में शनिवार को शतरंज की इंटरनेशनल प्रतियोगिता का आरंभ हुआ। ये प्रतियोगिता एमर्जर चेस अकादमी द्वारा जिला शतरंज संघ के तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। इसमें खेलने वाले खिलाड़ियों को शतरंज के अंतर्राष्ट्रीय संघ एफआईडेई द्वारा रेटिंग प्रदान की जाएगी। देश-विदेश के 340 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला शतरंज संघ के प्रधान संजीव अग्रवाल, रोटरी मिडटाउन के अध्यक्ष रवींद्र भारद्वाज, आर्किड के जोनल हेड जसबीर, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अमनदीप पराशर और सन्नी जैन ने किया। हरियाणा शतरंज संघ के उपप्रधान अजय गोयल ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता को आयोजित करने वाली इमर्जर्स की टीम यीतिश गंगवानी, वैशांत गंगवानी, सुमित, लक्ष्य अरोड़ा, जय राज, अक्षय राव, नितिन आदि का सहयोग रहा। जिला शतरंज संघ के संयुक्त सचिव देवेंद्र पराशर व प्रधान संजीव अग्रवाल ने कहा कि युवा आयोजकों को आगे भी ऐसे आयोजन करने में पूरी मदद की जाएगी। समाचार लिखने तक आर्यन वार्ष्णेय, दक्ष गोयल, दिवित्त अरोड़ा, सुंदरम कुमार और हरीश शर्मा आगे चल रहे थे।

सोनीपत। प्रतियोगिता के दौरान संघ के पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

जिला स्तरीय विधिक साक्षरता प्रतियोगिता में जीते दस पुरस्कार

सोनीपत। जिला स्तरीय विधिक साक्षरता प्रतियोगिताओं में जीवीएम गर्ल्स कालेज की छात्राओं ने चमत्कृत प्रदर्शन करते हुए चार प्रथम सहित दस पुरस्कार जीते। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने छात्राओं को बधाई देते हुए उनके स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उच्चतर शिक्षा निदेशालय हरियाणा के निर्देशन में मुरथल स्थित ताऊ देवीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय में जिला स्तर पर विधिक साक्षरता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके तहत निबंध लेखन, नारा लेखन, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, डैक्लामेशन, कविता पाठ, स्किट, डिबेट, पावर प्वाईंट प्रेजेंटेशन, डॉक्यूमैंट्री फिल्म ऑन सोशल इश्यूज और क्विज का आयोजन किया गया। जीवीएम गर्ल्ज कालेज की छात्राओं ने भी विभिन्न स्पधाअरं में हिस्सा लेते हुए अधिकांश में सफल प्रदर्शन किया। कालेज लौटने पर प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह की अगुवाई में विजेता दल का अभिनंदन किया गया। इस प्रदर्शन पर संयोजक प्राध्यापिकाओं डा. रेनू रानी व ले. प्रियंका ने भी सभी छात्राओं को बधाई दी।

सोनीपत। विजेता छात्राओं के साथ प्राचार्या एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

नर्सरी से कक्षा 4 तक के टॉपर मेधावी सम्मानित

■ बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मंत्रमुग्ध कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना-जींद मार्ग पर स्थित नालंदा वर्ल्ड स्कूल में शनिवार को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में नर्सरी से कक्षा 4 तक की वार्षिक परीक्षाओं के टॉपर बच्चों के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता रहे बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की निदेशक रीना मलिक और प्रिंसिपल वीरेंद्र सिंह मलिक ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस समारोह में स्कूल की वार्षिक परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे बच्चे सम्मानित किए गए। कार्यक्रम में बच्चों के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया। समारोह में वर्ष भर की गतिविधियों में नृत्य और लेखन की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मंत्रमुग्ध कर दिया। 2023-24 के विगत शैक्षणिक सत्र में क्षितिज सदन को प्रथम घोषित किया गया।

गोहाना। मेधावी बच्चों को ट्राफी देकर सम्मानित करते हुए शिक्षकगण। फोटो : हरिभूमि

कैंप में 135 लोगों ने उठाया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

■ हरियाणा आयुष डिपार्टमेंट द्वारा मुफ़्त कैम्प का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा आयुष डिपार्टमेंट की तरफ से 27 अप्रैल यानी शनिवार को गांव लुहारी टिब्बा के गवर्नमेंट स्कूल में निशुल्क योग तथा आयुर्वेदिक कैंप का सफल आयोजन किया गया। जिसमे मुफ़्त चेकअप, इलाज और दवाइयों के साथ साथ योग कराने की सुविधा शामिल थी। कैंप का आयोजन हरियाणा आयुष डिपार्टमेंट (जीएडी जसराना) के प्रतिनिधि डा. उपेंद्र, फार्मासिस्ट सतपाल मलिक तथा योग सहायक नीरज, नरेश एवं नीलम ने किया। इसमें आयुष डिपार्टमेंट के प्रतिनिधियों ने बताया के हम समय समय पर गांवों में जाकर इन मुफ़्त कैंप का आयोजन करते रहते है। जिससे देहात के आम लोगो तक ज्यादा से ज्यादा मात्रा में स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं पहुंचाई जा सके। कैंप में आसपास के तकरीबन 135 लोगो ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

सोनीपत। कैंप में स्वास्थ्य की जांच करते हुए चिकित्सक। फोटो :हरिभूमि

इस बार गेहूं का बंपर उत्पादन लक्ष्य पूरा, उठान कार्य जारी

■ शनिवार शाम तक लक्ष्य से 1000 मीट्रिक टन गेहूं की ज्यादा हो चुकी खरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इस रबी के अनुकूल मौसम रहा तो कई साल बाद गेहूं की बंपर पैदावार हुई। जहां पहले प्रति एकड़ गेहूं का उत्पादन 20 क्विंटल मुश्किल से होता था। वहीं इस बार उत्पादन 22-23 क्विंटल तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि उत्पादन के स्टीक आंकड़े कुछ सम बाद कृषि विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे। फिलहाल तक मंडियों में जिस हिसाब से अन्य सालों की अपेक्षा गेहूं की ज्यादा आवक हुई है, उससे अंदाजा है कि प्रोडेक्शन काफी अच्छा है। शनिवार शाम तक 2 लाख 26 हजार मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी थी। जबकि टारगेट 2 लाख 25 हजार क्विंटल का था। अभी 15 मई तक खरीद और जारी रहनी है, ऐसे में उम्मीद है कि इस बार 2 लाख 80 हजार मीट्रिक टन तक गेहूं की खरीद पहुंच जाएगी।

6-7 हजार रुपये का प्रति एकड़ लाभ

इस बार तीस गांवों में मार्च के पहले सप्ताह में हुई भारी ओलावृष्टि हुई थी। जिसका मुआवजा अभी तक किसानों को मिला नहीं है। ओलावृष्टि के बाद आशंका होने लगी थी कि कहीं इस बार भी गेहूं खरीद का टारगेट सरकार पूरा नहीं कर पाए। ये आशंका निराधार साबित हुई।

वजह ये रही कि प्रति एकड़ उत्पादन में 2-3 क्विंटल की बढ़ोतरी इस बार हो गई। जिससे किसानों को भी 6-7 हजार रुपये प्रति एकड़ का लाभ प्रकृति ने कर दिया। ध्यान रहे किसाल 2023 में प्रशासन को गेहूं खरीद का टारगेट हासिल नहीं हुआ था। साल 2022 में समय से पहले तापमान बढ़ा।

इंडस स्कूल में अंतर्सदनीय 'स्पेल बी' प्रतियोगिता

■ हरिभूमि ने पर्यावरण बचाओ पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता करवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार को साप्ताहिक रचनात्मक 'स्पेल बी' प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों क्रमशः ब्यास, झेलम, रावी, सतलुज के कक्षा तीसरी से दसवीं तक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में चयनित उच्चतर ध्वनियों को निर्धारित समय सीमा में लिखना होता है। विद्यालय की चेयरपर्सन ने कहा कि स्पेल बी विद्यार्थियों की सामान्य वर्तनी की त्रुटियों को पहचानने और सुधारने में मदद कर उनके वर्तनी कौशल में सुधार करती है। रोहतक में हरिभूमि द्वारा पर्यावरण बचाए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें 50 विद्यालयों से लगभग 600 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें इंडस पब्लिक स्कूल रोहतक की कक्षा नौवीं की छात्रा अनुष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता व विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की डायरेक्टर प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा ने कहा कि स्पेल बी एक शैक्षिक गतिविधि है जो छात्रों को उनकी वर्तनी कौशल में सुधार करने, नई शब्दावली सीखने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करती है। डायरेक्टर प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा ने कहा कि लेखन कौशल भाषाई अधिग्रहण में योगदान करते हैं। शिक्षण में अच्छे लेखन का बहुत महत्व है। जो संज्ञानात्मक व भाषाई कौशल में सुधार करते हैं।

रोहतक। विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा।

आर्य समाज मॉडल टाउन सोनीपत में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन

गायत्री मंत्र को कहा गया है महामंत्र : वेदार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

आर्य समाज मॉडल टाऊन सोनीपत में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया जा रहा है। छठे दिन शनिवार को कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान अर्जुन देव दुरेजा ने की तथा आचार्य विष्णु मित्र वेदार्थी के ब्रह्मत्व में यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान यज्ञ के उपरांत वेदार्थी ने वेदमंत्र गायत्री मंत्र के उच्चारण के पश्चात बताया कि चारों वेदों में 20,379 मंत्र हैं, किंतु गायत्री को ही महामंत्र क्यों कहा गया है। आओ पहले इसके भावार्थ पर विचार करें। ओम परम पिता परमात्मा का सर्वश्रेष्ठ और मुख्य नाम है। परमेश्वर सत्य, शुभ, पृथ्वी लोक, अंतरिक्ष लोक, द्यौ लोक का अधिष्ठाता, समस्त प्राणियों का जीवन दाता तथा प्राणों से भी प्रिय है। आर्य समाज के पुरोहित आचार्य सतन देव सत्यम ने सामवेद के मंत्रों का पाठ करके भावार्थ सहित समझाया। यज्ञोपरांत जालंधर से आमंत्रित संगीतरत्न सरदार सुरेन्द्र सिंह गुलशन और ढोलक वादक जसबीर सिंह ने गीत प्रस्तुत किया। हरि चन्द स्नेही वैदिक प्रवक्ता ने मंच का कुशल और प्रेरक ढंग से संचालन किया। कार्यक्रम में महात्मा वेद मुनि वानप्रस्थी, महेश जुनेजा, सुनील सचदेवा, ज्ञानेश्वर त्यागी, गीता सहगल, ईश्वर दहिया, भीम सैन आर्य , निर्मल रेलन, मंजु आर्या, ज्ञान ठक्कर, पीके बत्रा आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिला श्रद्धालुगण। फोटो :हरिभूमि

जेईई मेंस में अक्षर, केशव कमल और गोविंद छाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ऋषिकुल विद्यापीठ सोनीपत के विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स 2024 के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाकर विद्यालय तथा माता-पिता का नाम रोशन किया है। विद्यालय के छात्र अक्षर ने 98, केशव 97.8, कमल 96.12 तथा गोविंद ने 90.67 परसेंटाइल प्राप्त कर मेहनत और उत्साह का प्रदर्शन किया है। इस सफलता में विद्यालय तथा अभिभावकों का संपूर्ण सहयोग बताया है। विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा ने विद्यार्थियों तथा अभिभावकों को बधाई दी तथा भविष्य में सतत मेहनत के बल पर आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। विद्यालय के निदेशक धीरज शर्मा ने विद्यार्थियों की सफलता को विद्यालय की सफलता बताया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य उमेश शर्मा ने सभी सफल विद्यार्थियों तथा अभिभावकों का हार्दिक अभिनंदन किया।

खबर संक्षेप

स्कूल पहुंचने पर छात्रों का किया स्वागत

खरखौदा। खांडा रोड़ स्थित कल्पना चावला विद्यापीठ में कक्षा छठी में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों व विद्यालय से जुड़ने वाले नए अध्यापक-अध्यापिकाओं का स्वागत किया गया। मंच का संचालन अध्यापिका मीनू द्वारा किया गया। छठी कक्षा के विद्यार्थियों का प्राथमिक शिक्षा स्तर से माध्यमिक शिक्षा स्तर में आने पर, माध्यमिक स्तरीय विद्यार्थियों द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया गया। साथ ही विद्यालय से जुड़ने वाले नए अध्यापक-अध्यापिकाओं का भी स्वागत तिलक लगाकर किया गया। प्राचार्या उषा वत्स ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि जैसे-जैसे बच्चे की उम्र बढ़ती है तो उसी तरह कक्षा का स्तर भी बढ़ जाता है।

स्कूटी सवार युवकों ने मोबाइल छीना, केस

गन्नौर। बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में देर रात स्कूटी सवार युवकों ने ड्यूटी से घर लौट रहे प्रवासी कामगार का मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत बड़ी थाना पुलिस को दी है। शिकायत में गांव बदनपुरा, बलिया, उत्तर प्रदेश, हाल बड़ी गांव निवासी गुड्डू ने बताया कि वह बड़ी औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में काम करता है। वह 26 अप्रैल की रात ड्यूटी करने के बाद बड़ी गांव जा रहा था। जब वह फैक्ट्री नंबर 60 के पास पहुंचा तो पीछे से एक स्कूटी उनके पास आकर रुकी। स्कूटी पर तीन युवक सवार थे। इस दौरान उन्होंने गुड्डू को मोबाइल फोन छीन लिया और उसे धक्का देकर फरार हो गए। बड़ी थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने गुड्डू की शिकायत पर केस दर्ज किया है।

कई दिनों से दूषित पानी पीने को मजबूर किशनपुरा के लोग

दूषित पेयजल सप्लाई होने पर किशनपुरा के लोगों ने जनस्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

शहर में दूषित पेयजल सप्लाई का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब शहर की किशनपुरा कालोनी में पिछले कई दिनों से दूषित पानी की सप्लाई हो रही है। इससे लोगों को बीमार होने की परेशानी सता रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा। किशनपुरा कालोनी के रोहतास मलिक ने बताया कि बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा दुषित पानी की सप्लाई की जा रही है। शनिवार को भी उनके घरों में दुषित पानी स्पलाई किया गया। सप्लाई किए गए पानी में में मिट्टी, कचरा काफी मात्रा साथ में आया है। कई बार तो पानी में कीड़े भी आते हैं। उन्होंने कहा कि घरों में सप्लाई हो रहे पानी में दुर्गन्ध भी आती है। इस पानी को नहाने-धोने के लिए भी

गन्नौर। दूषित जल से भरी बाल्टी दिखाते किशनपुरा कालोनी के लोग।

जनस्वास्थ्य विभाग से लेंगे जानकारी

इस बारे में एसडीएम डा. निर्मल नागर ने बताया कि दूषित पानी की सप्लाई की शिकायत अभी तक उनके पास नहीं पहुंची है, लेकिन कहीं दूषित पानी की सप्लाई हो रही है तो उसका प्राथमिकता से समाधान करवाना जनस्वास्थ्य विभाग की जिम्मदारी है। वह सोमवार को विभाग के अधिकारियों से इस बारे में जानकारी लेंगे और उन्हें समस्या का हल करने के आदेश देंगे।

काम में मुश्किल है, पेयजल के बंदोबस्त के लिए रोजना मशक्कत करनी पड़ रही है। उन्होंने बताया कि यह समस्या काफी समय से बनी हुई है। जन प्रतिनिधियों ने कई बार जनस्वास्थ्य विभाग में शिकायत भी की है, लेकिन स्थाई समाधान नहीं हो रहा है। विभाग के अधिकारी गहरी नींद में सोए हुए हैं। दूषित पानी पीने से जलजनित बीमारियां होने का भय बना हुआ है। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग से शीघ्र स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही लोगों ने बादशाही रोड स्थित जल संग्रहण टैंकों का निरीक्षण कर उनकी सफाई व दवाईयां डलवाने की भी मांग की है, ताकि शहर के लोग बीमार होने से बच सकें।

चोरी करने की वारदात में शामिल दो आरोपित काबू

- अदालत ने आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मुरथल थाना पुलिस ने फैक्टरी में घुसकर चोरी करने की वारदात में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित रवि उर्फ गोलू निवासी आरके कॉलोनी मुरथल व मोहसिन निवासी अमरोहा का है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। मुरथल निवासी कृपाल ने 24 अप्रैल को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि गत 23 अप्रैल को कोई व्यक्ति फैक्टरी के गेट से चढ़कर अंदर आ गया। फैक्टरी से बिजली की तारें व लोहे की प्लेट, सरिया व शीट निकालकर ले गया। चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने मौके का मुआयना कर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए जांच अधिकारी अनिल की टीम ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

नशे में बाइक सवार ने पुलिस गाड़ी में टक्कर मारी, आरोपी पर केस

महम। राजा वाली सड़क पर पुलिस की डायल 112 नंबर गाड़ी में एक युवक द्वारा टक्कर मारने का मामला प्रकाश में आया है। महम थाने में दी शिकायत में सिपाही बुधराम ने बताया कि वह पुलिस की डायल 112 नंबर गाड़ी पर तैनात था। उसके साथ ईएसआई जोगिंद्र बतौर इंचार्ज हाजिर थे। वे नेशनल हाइवे 9 से राजा वाली सड़क पर सैम्पल गांव के लिए चले थे। रास्ते में गांव बसाना की ओर से एक मोटर साइकिल आ रही थी। मोटर साइकिल चालक ने तेज गति से और लापरवाही से अपनी मोटर साइकिल चलाते हुए उनकी गाड़ी के सामने ड्राइवर साइड में टक्कर मार दी। उन्होंने नीचे उतरकर देखा तो बाइक चालक की पहचान खरकड़ा गांव निवासी अंकित पुत्र सुरेश के रूप में हुई। अंकित शराब के नशे में था। अंकित ने रोंग साइड में आकर यह एक्सीडेंट किया है। पुलिस ने अंकित के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ओलंपिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

जीटी रोड स्थित स्वामी चेतना स्कूल में शनिवार को ओलंपिक प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए। इस अवसर पर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को स्कूल की तरफ से सम्मानित किया गया। स्कूल प्रबंधक डिंपल शर्मा ने बताया कि स्कूल में आयोजित विभिन्न आलंपिक प्रतियोगिताओं में 65 छात्रों ने हिस्सा लिया था। जिनमें 21 छात्रों ने स्वर्ण, 6 छात्रों ने रजत व 4 छात्रों ने कांस्य पदक जीते।

गन्नौर। प्रतियोगिता के विजेता छात्र प्रशस्ति पत्र दिखाते हुए साथ में स्कूल स्टाफ।

विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डिंपल शर्मा ने प्रेरणादायक शब्दों से स्कूल के सभी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उन्हें जीवन में आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सुंदर लाल, प्रवीन कुमार, नरेंद्र, देवेंद्र, ममता शर्मा व पूनम शर्मा आदि मौजूद रहे।

ट्रेन में यात्रा कर रहे युवक का फोन छीना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

दिल्ली चण्डीगढ़ रेल मार्ग पर नेताजी एक्सप्रेस में सफर कर रहे युवक का मोबाइल छीनने का मामला सामने आया है। युवक ने मामले की जीरो एफआईआर चंडीगढ़ जीआरपी में दर्ज कराई थी। जिस पर अब सोनीपत जीआरपी ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गांव पांडुआ हुगली पश्चिमी बंगाल निवासी सफत अली शेख ने जीआरपी चंडीगढ़ को शिकायत दी कि वह दिल्ली से चंडीगढ़ जाने के लिए नेताजी एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे। जब वह रात सवा 11 बजे

- जीआरपी सोनीपत ने मुकदमा दर्ज कर की जांच शुरू
- पीड़ित ने चण्डीगढ़ में दर्ज करवाई थी जीरो एफआईआर

गन्नौर रेलवे स्टेशन के पास पहुंचे थे। इस दौरान जब ट्रेन गन्नौर प्लेटफार्म से चलने लगी तो तभी एक व्यक्ति ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया और भाग गया। ट्रेन चलने के कारण वह कुछ नहीं कर सके। उन्होंने चंडीगढ़ जाकर राजकीय रेलवे पुलिस को शिकायत दी। जिस पर जीरो एफआईआर दर्ज कर सोनीपत भेजी गई। अब सोनीपत जीआरपी ने मुकदमा दर्ज कर झपटमार की तलाश शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एसआई भगत राम ने बताया कि जल्द से जल्द झपटमार का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। स्टेशन पर लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाली जा रही है। ताकि झपटमार का कोई सुराग हाथ लग सके।

आरपीएस के पूर्व छात्र विंग कमांडर हिमांशु गुप्ता ने सांझा किए अनुभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

रौनक पब्लिक स्कूल (आरपीएस) के पूर्व छात्र वर्तमान में विंग कमांडर हिमांशु गुप्ता का स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अभिनंदन किया। हिमांशु गुप्ता ने स्कूल के कक्षा दसवीं के छात्र छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का शांत किया। स्कूल पहुंचने पर प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने हिमांशु गुप्ता का बुके भेंट कर स्वागत किया। विंग कमांडर हिमांशु गुप्ता ने कहा कि आज जो भी हम हैं वह स्कूल से मिली शिक्षा के कारण हैं। उन्होंने छात्रों को स्कूल के शिक्षकों से मिलने वाली शिक्षा व सुझावों को अपने जीवन में उतार कर अपना भविष्य संवारने की सलाह दी। इस दौरान छात्रों ने विंग कमांडर हिमांशु गुप्ता से 15 प्रश्न किए जिनका उन्होंने सकारात्मक तरीके से जवाब दिए। हिमांशु गुप्ता ने कहा कि उनके स्कूल में बिताए गए यह

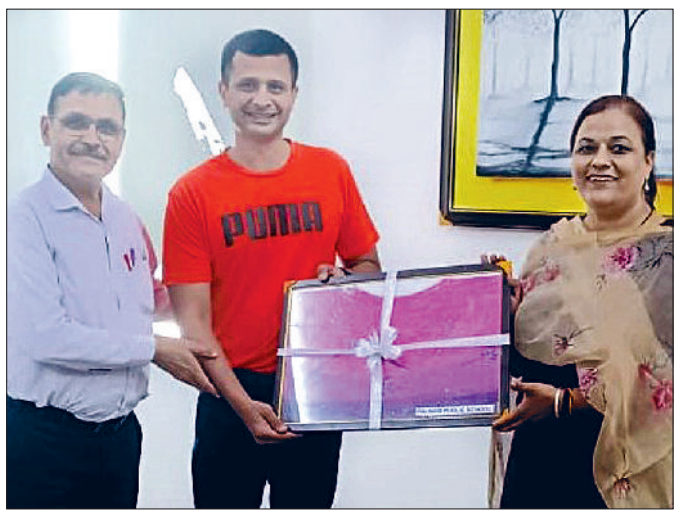

क्षण अविस्मरणीय रहेंगे और भविष्य में भी स्कूल में इसी प्रकार आते रहेंगे। प्राधानाचार्या रजनी शर्मा ने कहा कि रौनक पब्लिक स्कूल अपने सामाजिक दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन कर रहा है और आगे भी इसी प्रकार सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी देश को समर्पित करेगा।

स्वास्थ्य कैम्प में छात्राओं की गई निःशुल्क जांच

सोनीपत। आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. गर्विता द्वारा छात्राओं एवं अध्यापिकाओं के स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण किए गए और छात्राओं को स्त्री-रोग संबंधी समस्याओं के कारण व निवारण के बारे में बताया। डॉ. अनूप द्वारा बच्चों की नेत्र संबंधी बीमारियों की जांच की गई व मौके पर ही उन्हें दवाइयां उपलब्ध कराई गई। आहार विशेषज्ञ डॉ. आरती भी उपस्थित रही। डॉ. अरुण व उनकी टीम के द्वारा बीपी, शुगर, ऑक्सीजन, बुखार खांसी, एलर्जी आदि परीक्षण किए गए और निःशुल्क दवाइयां वितरित की। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

फोटो 27 एसएनपी 8. छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच करते चिकित्सक।

स्कालरशिप टेस्ट के विजेताओं को किया पुरस्कृत

गन्नौर। रेलवे रोड स्थित देवा अकेडमी गन्नौर पर शुक्रवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि मन्नत ग्रुप ऑफ होटल्स एमडी एवं समाजसेवी वीरेंद्र कादियान ने स्कालरशिप टेस्ट के विजेता 55 बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पहला पुरस्कार कुश पुत्र दीपक, श्रेया पुत्री सुशील, रिया पुत्री नवीन, खुशी पुत्री संदीप व लक्ष्य पुत्र इंद्रेश को मिला। इसके अलावा 22 बच्चों ने दूसरा और 28 बच्चों ने तीसरा स्थान हासिल किया। स्कालरशिप मिलने पर बच्चों के चेहरे खिल उठे। वीरेंद्र कादियान ने कहा कि परीक्षा का उद्देश्य योग्य एवं होनहार विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करना है। स्कालरशिप टेस्ट से छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास पैदा होता है और उन्हें अपनी क्षमताओं का पता भी चलता है। अकेडमी के निदेशक रोहित ने बताया कि देवा अकेडमी द्वारा बच्चों को प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है। इसी कड़ी में हर साल स्कालरशिप टेस्ट आयोजित किया जाता है, जिसमें 8वीं से 12वीं कक्षा तक विद्यार्थी हिस्सा लेते हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

स्कूल में विद्यार्थी परिषद का गठन कर पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

- विद्यार्थी परिषद में शामिल विद्यार्थी शपथ ग्रहण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

- गोहाना-जींद मार्ग स्थित ओम पब्लिक स्कूल में विद्यार्थी परिषद का गठन

गोहाना-जींद रोड स्थित ओम पब्लिक स्कूल में शनिवार को शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए नई विद्यार्थी परिषद का गठन किया गय। परिशद के निवनियुक्त पदाधिकारियों को ईमानदारी एवं कर्मठता से काम करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के लिए नेतृत्व स्कूल की एमडी निर्मल लाठर का रहा और अध्यक्षता प्राचार्य मनजीत खासा ने की। संयोजन उप प्राचार्या रेखा बजाज का रहा।

तनिश बने हैड ब्वाय

विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ वर्ग में तनिश को हैड ब्वाय व जैनिका को हैड गर्ल, तनिष्क को वाइस हैड ब्वाय व शगुन को वाइस हैड गर्ल, अमन व वैशाली को डिस्पलिन कैप्टन, नमन तथा सिया को वाइस डिस्पलिन कैप्टन, दक्ष व एंजल को कैप्टन स्पोंटस, स्पर्श व जिया को स्पोर्ट्स वाइस कैप्टन की यापथ दिलाई। ओवरआल अकेडमिक अचीवरस में प्रथम कक्षा से क्रमशः अनविका, परीक्षित, देवांश व मानवी, कक्षा दूसरी से जानवी, अक्षित, दिव्यांश, मुस्कान व अनवी, कक्षा तीसरी से समर्थ सिंह, गुनीत आसीजा व मानिक को बनाया गया।

सम्मानित किया

वहीं कक्षा चौथी से वेदिका, सहज व भव्या, कक्षा 5वीं से सम्पन्न सिंह, आरव जैन, गिताली, ईवन गुप्ता, अभीक जैन व शौर्यवीर खासा, कक्षा छठी से अनिकेत नरवाल, भाविका, कार्तिक, अनुष्का, नव्या व मयंक मलिक, कक्षा 7वीं से नक्षित, इन्दू, आरुषी व रिचा, कक्षा 8वीं से यशवनी, आयान गुप्ता व जितेश, कक्षा 9वीं से नैतिक, गरिमा, तरुण व मुस्कान को सम्मानित किया गया।

नेशनल स्पोर्ट्स में 23 विद्यार्थियों ने जीता सोना

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

गढ़ी झंझारा रोड स्थित जयंती प्रसाद डीएवी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित खेलों में शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर 23 स्वर्ण, राज्य स्तर पर 81 मेडल व क्लस्टर स्तर पर 98 मेडल हासिल कर स्कूल व शहर का नाम रोशन किया। प्रधानाचार्य चंद्र प्रकाश ने सभी विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राष्ट्र स्तर के विजेताओं को डीएवी प्रबंध समिति के प्रधान पूनम सूरी ने प्रत्येक स्वर्ण विजेता को 5100-5100 रुपये का चेक भेंट किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य चंद्र प्रकाश ने सभी मेडल समाज को समर्पित करते हुए नशा मुक्ति रैली निकाली। जिसमें छात्रों ने समाज में खेलों के माध्यम से खुद को स्वस्थ रखने, नशे से दूर रहने, एक स्वस्थ व नशा मुक्त समाज का निर्माण करने का संदेश दिया। रैली के दौरान व्यापार मंडल के सदस्यों ने कोच व विजेताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षा के अध्यापक अशोक, अध्यापिका पूजा दिगानी व स्टाफ ने सहयोग किया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 28 अप्रैल 2024

स्पेशलः इंटरनेशनल डांस-डे, 29 अप्रैल

हाल के सालों में देश-विदेश में डांस को फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए बहुत उपयोगी गतिविधि माना जाने लगा है। यह तथ्य तो सही है ही, लेकिन डांस हमारे भीतर सकारात्मकता और संवेदनशीलता का संचार करता है, सौंदर्यबोध बढ़ाता है। डांस से हम बेहतर इंसान बनते हैं और जीवन को आनंद के साथ जीने के लिए आत्मप्रेरित भी होते हैं।

जीवन की लय पर पैरों की थिरकन

{ कवर स्टोरी / संध्या सिंह }

अमेरिकन कॉलेज ऑफ कॉर्डियोलॉजी, जो कि एक गैरलाभकारी चिकित्सा संस्था है, उसके मुताबिक डांस यानी नृत्य गंभीर हृदय रोगी को भी जीवनदान दे सकता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि डांस सामान्य जीवन की कितनी सकारात्मक गतिविधि है। समाजशास्त्रियों से लेकर मनोचिकित्सकों तक और हृदय रोग विशेषज्ञों से लेकर सामान्य लोगों तक का मानना है कि डांस हमारे फिट रहने का सबसे आसान और सरस तरीका है।

स्वास्थ्य के लिए संजीवनी

नृत्य अपने आप में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। इसलिए इसका महत्व इस लिहाज से बहुत ज्यादा होता है। हालांकि नृत्य की अपनी एक सामाजिक दुनिया भी है और वह कम प्रभावशाली या कम महत्व की नहीं है। लेकिन ज्यादातर आम लोगों के लिए नृत्य के सर्वाधिक फायदे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से ही जुड़े होते हैं। आम लोगों के लिए नृत्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खजाने की तरह है। अमेरिकी हृदय स्वास्थ्य विशेषज्ञ, नृत्य को मांसपेशियों की ताकत, भावनात्मक सहन शक्ति और फिटनेस की अपार संभावनाओं वाला केंद्र मानते हैं। मेडिकल निष्कर्षों के मुताबिक डांस करने से 70 से 80 फीसदी तक हृदय बिना और कोई उपाय किए स्वस्थ रहता है। डांस करने से दो दर्जन लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियां जैसे चिंता, डिप्रेशन, हाइपरटेंशन और एंजाइटी आपके पास नहीं फटकती हैं। रेग्युलर डांस करने वाले लोगों का शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य तो बेहतर होता ही है, उन्हें कभी ऑस्टियोपोरेसिस का खतरा नहीं रहता। इससे फेफड़ों का स्वास्थ्य बेहतर होता है और कभी वजन भी नहीं बढ़ता है।

बढ़ती है संवेदनशीलता-सकारात्मकता

आज के दौर में नृत्य एक बड़ा कारोबार और कई रचनात्मक कलाओं का केंद्र भी बन गया है। जितने भी परफॉर्मिंग आर्ट हैं, डांस उन सबका सेंटर प्वाइंट है। लेकिन नृत्य के ये संदर्भ उन कुछ रचनात्मक लोगों से ही हैं, जो नृत्य के लिए समर्पित हैं और नृत्य की लय को जीवन की लय मानते हैं। डांस करने से आत्मविश्वास में सर्वाधिक बढ़ोत्तरी होती है। यह आपकी संज्ञानात्मक मेधा में वृद्धि करता है। डांस करने से शरीर में एक लयात्मकता आती है और भरपूर लचीलापन न सिर्फ शारीरिक अंगों मे बल्कि स्वभाव और संवेदना में भी दिखता है। डांस नए दोस्त बनाने में मददगार होता है और हमारे भीतर रचनात्मकता, आत्म अनुशासन और सहयोगात्मक रूप से काम करने की क्षमता विकसित करता है।

यह तो कहने की जरूरत ही नहीं है कि डांस हमारे भीतर सौंदर्यबोध को पैदा ही नहीं करता, उसमें वृद्धि भी करता है। इसीलिए माना जाता है कि एक डांसर की आंखें दुनिया का सृजन देखती हैं। अमेरिका में हुए एक शोध के मुताबिक प्रतिदिन एक घंटे डांस करने वाले लोग बहुत रेयरली किसी आपराधिक घटना में शामिल पाए जाते हैं। नियमित डांस करने वाले लोगों के दिल दिमाग में ऐसे हार्मोन पैदा ही नहीं होते, जो उन्हें किसी भी तरह की आक्रामकता या अपराध की तरफ उन्मुख करें। डांस में इस तरह की सकारात्मकता और संवेदना होती है, जो व्यक्ति को शांत और सौम्य बनाती है। हर डांस करने वाला व्यक्ति लगभग सभी रचनात्मक कलाओं में रुचि लेता है, क्योंकि डांस उसके मन की कंडीशन और 'स्टेट ऑफ माइंड' यानी मनःस्थिति को संवेदना से भर देता है।

एक लय में हो जाते हैं तन-मन

डांस करने वाले के दिमाग में कार्टीसोल नामक हार्मोन का स्तर बेहद कम होता है और ऑक्सीटोसिन हार्मोन का स्तर बढ़ता है यानी फीलगुड हार्मोन की मात्रा बढ़ती है। इसीलिए इंसान द्वारा की जाने वाली सबसे खूबसूरत और खुशहाली से भरी गतिविधि डांस को माना जाता है। कहते हैं, डांस जानने वालों को संगीत की जानकारी स्वतः ही हो जाती है, क्योंकि डांस करने वालों का शरीर ही नहीं, मन भी लय में रहता है और लय संगीत के साथ सहजता से आत्मसात हो जाता है। दुनिया में डांस के अलावा दूसरी ऐसी कोई सक्रिय गतिविधि नहीं है, जिसमें तन और मन एक लय में हो जाते हों। इसीलिए डांस सीखने से कई अन्य कलाओं से भी लगाव बढ़ने लगता है। कहने का सार यही है कि डांस केवल एक कला नहीं, केवल स्वास्थ्य सुधारने का जरिया नहीं बल्कि जीवन को आनंद के साथ जीने की एक अद्वितीय शैली भी है। *

ऐसे हुई डांस-डे की शुरुआत

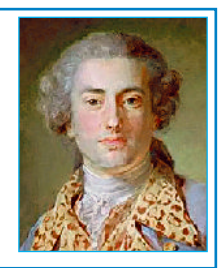

डांस के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर साल 29 अप्रैल को इंटरनेशनल डांस-डे मनाया जाता है, क्योंकि यह तारीख आधुनिक बैले डांस के जनक जीन-जॉर्जेस नोवरे का जन्मदिन है। 1727 को नोवरे इसी दिन पैदा हुए थे। इसलिए साल 1982 से इस दिन को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। हर साल नृत्य दिवस की एक थीम होती है और उस थीम का एक सांकेतिक महत्व होता है। जैसे साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस की थीम थी-नृत्य दुनिया के साथ संवाद करने का एक तरीका। जबकि इस साल नृत्य दिवस की थीम है-थिएटर और शांति की संस्कृति यानी साल 2024 के नृत्य दिवस की थीम विश्व रंगमंच को समर्पित है।

{ फिटनेस / शिखर चंद जैन }

मस्ती वाला वर्कआउट डांसरसाइज

इन दिनों डांस के साथ एक्सरसाइज यानी डांसरसाइज का ट्रेंड बढ़ रहा है। इनके डिफरेंट टाइप्स के जरिए अनेक यंगस्टर्स मस्ती के साथ खुद को फिट रख रहे हैं। क्या है डांसरसाइज, आप भी जानिए।

गर्मी के दिनों में सूरज सुबह-सुबह ही तेज चमकने लगता है, इसलिए पसीने और गर्मी के डर से घर से बाहर जाकर वर्कआउट करने का मन अकसर नहीं करता है। लेकिन शरीर के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। ऐसे में आप घर में ही पंखा/कूलर चलाकर बोर हुए बिना फुल मस्ती के साथ डांसरसाइज कर सकते हैं।

जाज डांसिंगः सुडौल पैर, जांघें और कमर के लिए जाज डांसिंग आपके लिए परफेक्ट है। इसमें आपको लीप्स, किक्स और जंप्स लेने होते हैं, जिनसे पैरों और जांघों की अच्छी खासी एक्सरसाइज हो जाती है। इससे न सिर्फ लचीलापन और शरीर का संतुलन दुरुस्त होता है बल्कि पोश्चर भी सही हो जाता है। इस डांस में हाथों के मूवमेंट भी खूब होते हैं, जिससे बाहों और हाथों का भी अच्छा वर्कआउट हो जाता है।

शिबामः 45 मिनट सेशन का यह डांस आधारित वर्कआउट विदेशों में सुपरहिट हो चुका है। इसमें लैटिन और हिप-हॉप साउंडट्रेक पर सिंपल डांस स्टेप्स परफॉर्म करने होते हैं। शिबाम की एक क्लास में 600 से ज्यादा कैलोरी तो बर्न होती ही है, साथ ही स्ट्रेस से भी राहत मिलती है। किसी कुशल ट्रेनर की देखरेख में इसकी कुछ क्लासेज अटेंड करने के बाद आप खुद ट्रेंड हो जाएंगे। शिबाम में डांस मूव्स को एरोबिक वर्कआउट के साथ ब्लेंड किया गया है। संगीत के साथ जब शरीर थिरकता है, तो आपको दोहरा लाभ मिलता है तन और मन दोनों फिट होते हैं। इस वर्कआउट से स्टेमिना और कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस बढ़ने के साथ-साथ ढेर सारी कैलोरी भी बर्न होती है। तीव्रता के साथ किए गए शिबाम से प्रति घंटे 800 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं।

जाज डांसिंग करते यंगस्टर्स

जुंबाः कोलंबियन फिटनेस एक्सपर्ट द्वारा डिजाइन किया गया यह वर्कआउट हमारे देश में भी खूब पॉपुलर हो रहा है। लैटिन म्यूजिक के साथ इसमें तरह-तरह के डांस फॉर्म्स का मिक्सचर है जैसे- सालसा, बेली डांसिंग, सोका, रिगेटन आदि। जुंबा कई प्रकार का होता है जैसे स्विमिंग पूल में एक्वा जुंबा किया जाता है। बच्चों के लिए जुंबा किड्स है और बुजुर्गों के लिए जुंबा गोल्ड है। तरह-तरह के डांस पर थिरकते हुए शरीर की अच्छी-खासी वर्जिश हो जाती है। दिलचस्प होने की वजह से इसे करने में मन भी लगा रहता है।

जुंबा डांसरसाइज करते यंगस्टर्स

पाइलेट्सः इसे मॉर्निंग वर्कआउट का हीरो कह सकते हैं। इसे एक जर्मन फिटनेस एक्सपर्ट ने शुरू किया था और 2005 के बाद से यह पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया। कमजोर घुटनों और पीठ दर्द के लिए यह एक शानदार वर्कआउट है, जिसे चटाई पर लेटकर म्यूजिक के साथ किया जाता है। इससे कमर के नीचे का हिस्सा मजबूत होता है और इससे फ्लैक्सिबिलिटी आती है।

पाइलॉक्सिंगः स्वीडन के डांसर विविका जेनसन, जो बाद में पाइलेट्स ट्रेनर बन गए, ने इसकी शुरुआत की। पाइलेट्स और बॉक्सिंग का फ्यूजन है पाइलॉक्सिंग। पाइलॉक्सिंग नंगे पैरों से वजनदार ग्लव्स पहन कर की जाने वाली डांस एक्सरसाइज है। महिलाओं के लिए यह खासतौर पर फायदेमंद है, क्योंकि इससे उनकी फिटनेस और कॉन्फिडेंस दोनों बढ़ते हैं।

बॉलीवुड डांसिंगः एक्सरसाइज करने का मन नहीं है और मूड ऑफ है, तो बस बॉलीवुड के मस्ती भरे जोशीले गाने चला लें और उन पर थिरकना शुरू कर दें। आप फील ही नहीं कर पाएंगे कि फुल मस्ती में नाचते-नाचते आपकी पूरी बॉडी में मूवमेंट्स हो रहे हैं और अनजाने में ही घंटे भर का वर्कआउट हो गया। डांस से बॉडी में लचीलापन भी आता है।

मसाला भांगड़ाः आपके दिल के लिए यह जबर्दस्त कार्डियो एक्टिविटी है। यंगस्टर्स के लिए यह एक शानदार और मस्ती भरा वर्कआउट प्लान है। इसमें पॉप और भांगड़ा डांस का फ्यूजन है। इसमें ढोल की बीट पर फास्ट मूवमेंट्स किए जाते हैं। यह एक इंटेंस डांस वर्कआउट है। *

{ ट्रेडिशन / अंजू जैन }

प्राचीन-बहुरंगी-भव्य भारतीय नृत्य परंपरा

भले ही आज देश-विदेश में नृत्य की अनेक शैलियां विकसित हो चुकी हैं। लेकिन अपने देश में नृत्य परंपरा बहुरंगी, भव्य और अत्यंत प्राचीन रही है। यहां के शास्त्रीय और लोकनृत्यों की छटा देखते ही बनती है।

हमारे देश में नृत्य और संगीत का न सिर्फ धर्म और अध्यात्म से गहरा नाता रहा है, पौराणिक काल से इसकी परंपरा भी बरकरार है। प्राचीन ग्रंथों में से एक 'सामवेद' को संगीत का सबसे प्राचीन ग्रंथ माना जाता है। भरत मुनि का 'नाट्य शास्त्र' नृत्यकला का सर्वप्रथम और प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है। इंद्र की सभा में मेनका आदि अप्सराओं द्वारा नृत्य किए जाने का उल्लेख मिलता है। हड़प्पा सभ्यता में नृत्य करती हुई युवतियों की मूर्ति पाई गई है, जिससे साबित होता है कि उस काल में ही नृत्यकला का विकास हो चुका था। खजुराहो के मंदिर हों या कोणार्क के मंदिर, प्राचीन काल में निर्मित इन मंदिरों की दीवारों पर गंधर्वों की मूर्तियां अंकित हैं। उन मूर्तियों में लगभग सभी तरह के वाद्य यंत्रों और नृत्य भंगिमाओं को दर्शाया गया है। भगवान शिव के नृत्यरत नटराज स्वरूप के बारे में हम जानते ही हैं। उनका तांडव नृत्य भी सब जानते हैं। इसी तरह श्रीकृष्ण की रासलीला में भी नृत्य और संगीत का वर्णन मिलता है।

भरतनाट्यम

डांडिया

नृत्य का जनक है हमारा देशः हमारे देश के प्राचीन शास्त्रीय नृत्य दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। हमारे देश में नृत्य की परंपरा प्राचीन काल से ही चली आ रही है। भारत की नृत्य शैलियां दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। दुनिया की कई नृत्य शैलियां तो हमारी प्राचीन नृत्यकला से ही प्रभावित हैं। नाट्यशास्त्र के अनुसार भारत में कई तरह की शास्त्रीय नृत्य शैलियां अलग-अलग राज्यों में विकसित हुई हैं जैसे- भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, ओडिसी, कथक, कथकली, यक्षगान, कृष्णअट्टम, मणिपुरी और मोहिनीअट्टम।

कुचिपुड़ी

भरतनाट्यमः यह नृत्य भारत के अति प्राचीन नृत्यों में शुमार है। इसका उल्लेख भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में भी मिलता है। मूलतः तमिलनाडु के भरतनाट्यम नृत्य में भाव, राग और ताल का संगम होता है। इस नृत्य में चेहरे के हाव-भाव, हाथ, पैर की गतिविधियां और मुद्राओं द्वारा भावनाओं को अभिव्यक्त किया जाता है।

कथकः कथक का शाब्दिक अर्थ कथा होता है। प्राचीन काल में कथा यानी कहानी सुनाने वाले लोगों को कथक कहा जाता था। शुरुआत में यह नृत्य उत्तर भारत में ब्राह्मणों द्वारा मंदिरों में किया जाता था। यह नृत्य बालकृष्ण की लीलाओं, दंतकथा और अन्य पौराणिक कथाओं पर किया जाता है। इस नृत्य कला में चेहरे के हाव-भाव और मुद्राओं को विशेष महत्व दिया जाता है। इस नृत्य में मुकुट के साथ-साथ चेहरे के श्रृंगार के लिए विविध रंगों का भी प्रयोग किया जाता है। रामायण तथा महाभारत की कथा पर भी यह नाट्य नृत्य किया जाता है।

कुचिपुड़ीः कुचिपुड़ी आंध्रप्रदेश के कृष्णा जिले में एक गांव का नाम है। इसी गांव में कुचीपुड़ी नृत्य का जन्म हुआ। शुरुआत में यह नृत्य केवल पुरुष ब्राह्मणों द्वारा ही भगवान को समर्पित किया जाता था और पुरुष ब्राह्मण ही महिला का रूप लेकर नृत्य करते थे। समय बदला तो महिलाएं भी कुचीपुड़ी नृत्य में हिस्सा लेने लगीं। इस नृत्य में शारीरिक संतुलन का कौशल प्रदर्शित किया जाता है। पानी से भरा हुआ घड़ा लेकर तथा पीतल की थाली की किनारी पर भी यह नृत्य किया जाता है।

मणिपुरीः यह नृत्यकला अन्य शास्त्रीय नृत्य कलाओं से भिन्न है। मणिपुरी नृत्य कला में पोशाक भी अन्य नृत्यकलाओं से भिन्न होती है। इसमें शरीर धीमी गति से थिरकता है। इसमें तांडव और रास्य दोनों का समावेश किया जाता है।

ओड़ीसीः कोणार्क के सूर्यमंदिर तथा भुवनेश्वर की प्राचीन गुफा की दीवारों में इस नृत्य के चित्र मिलते हैं। इस नृत्य की मुख्य मुद्रा त्रिभंग है जिसमें सिर, शरीर और पैर तीन हिस्सों में बांटकर नृत्य अभिव्यक्त किया जाता है। इस नृत्य में भगवान विष्णु के अवतार जगन्नाथ, शिव और सूर्य की कथाएं नृत्य नाटिका से मंचित की जाती हैं।

लोकनृत्य की छटाः हमारे देश में तीज-त्योहारों या शादी-विवाह जैसे खुशी के मौकों पर भी नृत्य संगीत का आयोजन खूब किया जाता है। विभिन्न संस्कृतियों में अपनी-अपनी परंपरा के अनुसार घूमर, गिंदड़, चरकुला, गेर, चंग, डांडिया, रम्मत, ढोल और पणिहारी जैसे लोक नृत्यों का खूब आनंद उठाया जाता है। लोग तरह-तरह के स्वांग लेकर नाचते-झूमते हैं और जश्न मनाते हैं। जनजातियों की जीवनशैली का हिस्सा इन लोक नृत्यों की भी छटा देखते ही बनती है। चिकित्सक इन्हें स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक मानते हैं। शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ संगीतमय लयबद्ध थिरकन से मानसिक अवसाद से भी राहत मिलती है। *

{ गजल }
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

जागो फैसले की घड़ी है

सभी को सियासत में अपनी पड़ी है
मुसीबत जहां थी वहीं पे खड़ी है
किए जा रहे हैं फकत घोषणाएं
अभी पास सबके तिलिस्मी छड़ी है
अगर चाहते हो चमन में महकना
तो जागो जरा फैसले की घड़ी है
तुम्हारे मतों पर है कायम सिंहासन
सभी की नजर अब तुम्हीं पे गड़ी है
बहुत काम बाकी है अब भी वतन में
प्रशासन है ढीला व्यवस्था सड़ी है
न जाने कहां जोश हमको ले जाए
अभी दास्तां हसरतों से बड़ी है
इसे भूख से प्यास से क्या गिला हो
जो हीरे जवाहर कनक से जड़ी है
दिखा देंगे इकदिन तुम्हें अपना जौहर
हमारी नजर में भी पुख्ता कड़ी है
यहां से वहां तक हैं 'नवरंग' कांटें
बढ़े पांव जब भी विवशता अड़ी है

{ लघुकथाएं }

अपना हित

भोला सुबह-सुबह काम की तलाश में घर से निकल चुका था। वह रोज दिहाड़ी मजदूरी करता है। इसी मजदूरी से उसके घर का चूल्हा जलता है। आज भी वह रोज की तरह घर से कुछ दूरी पर बने उस ठिकाने पर आकर खड़ा हो गया, जहां से शहर के लोग दिहाड़ी मजदूर लेकर जाते हैं। भोला यह सोच ही रहा था कि पता नहीं आज काम मिलेगा या नहीं? तभी वहां सफेद कुर्ता-पाजामा पहने एक व्यक्ति आया, भोला से बोला, 'तुम लोग आज के दिन भी मजदूरी करने जा रहे हो। यह तो गलत बात है।' 'क्यों गलत बात है?

आज ऐसा क्या है, जो हम मजदूरी नहीं कर सकते हैं?' भोला ने पूछा। 'आज श्रमिक दिवस है। इसे मई दिवस भी कहते हैं। यह तुम जैसे मजदूरों को अपने अधिकारों और हितों को समझने का दिन है। मैं तुम्हारे हित के लिए आया हूं। चलो हमारे साथ सामने वाले पार्क में, वहां एक बड़ी सभा है। एक बड़े नेताजी आ रहे हैं, उनका भाषण है। नेता जी तुम्हारे अधिकारों के बारे में बताएंगे। तुम्हारे हितों की बात करेंगे।' वह व्यक्ति बोला। भोला उस आदमी से बोला, 'अच्छा तो तुम हमारे हित के लिए आए हो। हम मजदूरों का हित तो अपनी मजदूरी करने में है। अगर आज हम काम नहीं करेंगे तो हमारे घर चूल्हा नहीं जलेगा।

हमारे बीवी-बच्चे भूखे रह जाएंगे। नेता जी के भाषणों से हमारे घर का चूल्हा नहीं जलेगा, हमारा पेट नहीं भरेगा। हमें मालूम है, चुनाव आ गए हैं। इस सभा में नेता जी जो बोलेंगे, उसके पीछे हमारा नहीं, उनका हित होगा। इतने सालों में नेता जी हम मजदूरों के हित की बात करने नहीं आए, अब चुनाव के समय उन्हें हमारी सुधि आई है। क्षमा करें श्रीमान जी, हम आपके नेता जी का भाषण सुनने नहीं जा पाएंगे।' यह सुनकर वह व्यक्ति चुपचाप वहां से चला गया। *

- ललित शौर्य

कच्चे पपीते

सुनो जी, ये इतने ढेर सारे कच्चे पपीते क्यों ले आए? घर में कोई पपीते पसंद नहीं करता। इनका मैं क्या करूं?' पत्नी ने झल्लाते हुए पति से कहा।

'अरे! भाग्यवान इनकी सब्जी बना लो या हलवा बना लो।' पति बोले। 'तुम्हें तो पपीते की सब्जी बिल्कुल पसंद नहीं है, हलवा बच्चे पसंद नहीं करते। मुझे समझ नहीं आया कि जब घर में कोई कच्चा पपीता पसंद नहीं करता तो तुम बेवजह इतने ढेर सारे कच्चे पपीते लेकर ही क्यों आए?' पत्नी और ज्यादा झल्लाकर बोली। 'सच बात बताऊंगा, तुम गुस्सा तो नहीं करोगी? वो क्या है कि सड़क किनारे एक वृद्धा कच्चे पपीते बेच रही थी।

वह किसी महिला से कह रही थी, बहन जी, पपीते ले लो। दो दिन से मेरे घर चूल्हा नहीं जला है। कम दाम में ले लो। किंतु उसका पपीता उसने क्या, किसी ने भी नहीं खरीदा। मुझे उस पर दया आ गई। मैंने उस वृद्धा से पूछा- माता जी, ये पपीते कितने पैसे में देंगी? तो वह बोली-बेटा, जो उचित लगे दे दो। भगवान तुम्हारा भला करेगा। क्या करूं बेटा, बहुत गरीब हूं। घर पर दो-चार पपीते के पेड़ हैं। वही जीने का सहारा हैं। पके पपीते कुछ दिन पहले बेचे थे। उससे दो दिन घर में चूल्हा जला, लेकिन अब पके पपीते नहीं हैं तो कच्चे ही तुड़वा कर लाई हूं ताकि मेरी छोटी सी पोती को खाने को भोजन मिल जाए। वो भी दो दिन से भूखी है। बहू-बेटे दो साल पहले कोरोना में नहीं रहे। तब से जैसे-तैसे गुजारा कर रही हूं। बस मैंने उसके सारे पपीते सौ रुपए में खरीद लिए।' पति ने डरते हुए सारी बात पत्नी से कह दी। यह सुनकर पत्नी भी दुखी होकर बोली, 'ओह! बेचारी गरीब वृद्धा को सौ नहीं दो सौ रुपए दे देना था ताकि वे लोग भरपेट खाना खा पाते।'

पति यह सुनकर पत्नी का मुंह देखते ही रह गए। *

- डॉ. शैल चंद्रा

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

जीतने की जिद

एक व्यक्ति की आवाज किस तरह उसकी जिंदगी के सारे फैसलों को नियंत्रित कर सकती है। खुशियों के सारे दरवाजे बंद कर सकती है। हीनभावना से भर सकती है। दोस्तों के आगे शर्मिंदा कर सकती है। आत्महत्या तक पहुंचा सकती है, इसका अंदाजा भगवंत अनमोल के उपन्यास 'गेरबाज' को पढ़कर लगा सकते हैं। अपनी बात को समय पर सही ढंग से न बोल पाना भी पीड़ादायक हो सकता है, यह आप इसे पढ़ते हुए महसूस करेंगे। इस किताब में लेखक ने बड़ी सूक्ष्मता से एक हकलाने वाले व्यक्ति की मनोदशा और उसके जीतने की जिद को चित्रित किया है। यह हकलाहट की समस्या पर लिखा गया एक पठनीय उपन्यास है। *

पुस्तकः गेरबाज (उपन्यास), **लेखकः** भगवंत अनमोल, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पेंगुइन स्वदेश), गुरुग्राम

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

गर्मी की छुट्टियों में अधिकतर लोग कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते ही हैं। अगर आप नेचर लवर हैं और एडवेंचरस ट्रैवलिंग का मजा लेना चाहते हैं तो इस बार जंगल सफारी के लिए जा सकते हैं। अपने घर से निकटतम किसी राष्ट्रीय उद्यान का चयन करें और निकल पड़ें। लेकिन इस दौरान आपको सफारी से जुड़ी कुछ बातों का ध्यान भी रखना होगा।

अगर आप कर रहे हैं जंगल सफारी की प्लानिंग

एडवेंचर ट्रैवेलिंग / विवेक कुमार

भारत की अद्वितीय जैवविविधता की प्रसिद्धि हमारे देश में ही नहीं पूरी दुनिया में है। हर साल पूरी दुनिया से लाखों पर्यटक यहां घूमने के लिए आते हैं। पूर्व हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, भारत के जंगलों में दुनिया के दुर्लभतम जानवर पाए जाते हैं। इन घने जंगलों, घास के मैदानों और दलदलों में स्थित भारत के जंगलों में देखने के लिए बहुत कुछ होता है। लोग यहां की सफारी करते हैं।

निर्देशों का पालन है जरूरी

अगर आप भी गर्मी की इन छुट्टियों में कहीं घूमने जाना चाहते हैं तो जंगल की सफारी का भी मजा ले सकते हैं। इसके लिए हालांकि पहले से बुकिंग करानी होती है और इसके कुछ नियम कायदे कानून होते हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है। हर

जंगल सफारी में अनुभवी गार्ड और पार्क के अधिकारियों द्वारा जो सुरक्षा निर्देश जारी किए जाते हैं, उनके बारे में पर्यटकों को पहले से अवगत कराया जाता है। उनकी जरा सी भी अनदेखी पर्यटकों के लिए ही नहीं बल्कि वन्यजीव दोनों की सुरक्षा के लिए खतरा साबित हो सकती है।

व्यक्तिगत गाड़ी से जाना प्रातिबंधित

जंगल सफारी के लिए सबसे पहला नियम तो यह है कि जंगल के भीतर आप अपना पर्सनल वाहन नहीं ले जा सकते हैं। इसके लिए जंगल प्रशासन द्वारा ही गाड़ी मुहैय्या कराई जाती है। सफारी के दौरान रंग-बिरंगे ड्रेसेस पहनने की बजाय ब्राउन और ग्रीन कलर की ड्रेसेस, जो वहां के वातावरण से मेल खाते हैं, उन्हें ही पहनकर जाना चाहिए। सफारी के दौरान गाड़ी से बाहर नहीं निकलना चाहिए। जानवरों को नजदीक से देखने का मोह नहीं पालना चाहिए। सफारी की गाड़ी खुली होती है, जिसमें आप इत्मीनान से जंगली जानवर को देख सकते हैं।

जानवरों के नजदीक जाने से बचें

हालांकि यह जरूरी नहीं कि आपको जानवर पास से देखने को मिलें, क्योंकि सफारी द्वारा जंगल के भीतर जो रास्ता बनाया जाता है, उसी सड़क पर चलना होता है। इन रास्तों को पर्यटकों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण को मदेनजर रखते हुए बनाया जाता है। गाड़ी से बाहर निकलकर जानवर को नजदीक से देखने के चक्कर में या उसको करीब से फोटो लेने से भी बचना चाहिए। जंगल की सफारी में फ्लैश फोटोग्राफी की अनुमति नहीं दी जाती, क्योंकि कैमरे की फ्लैश से जानवर परेशान हो सकते हैं और वो घबराकर आप पर हमला भी कर सकते हैं। सफारी में किसी भी तरह का हथियार लेकर जाने की भी मनाही होती है। सफारी का उद्देश्य वन्यजीवों को दूर से देखना होता है। उनको बहुत करीब से देखने के चक्कर में उनके पास नहीं जाना चाहिए, क्योंकि इससे वे डर सकते हैं। यदि आपके साथ गाइड है तो आप उसे ज्यादा करीब ले जाने के लिए दबाव न डालें। सफारी से उतरकर इधर-उधर पैदल ना घूमें। इससे आप रास्ता भटक सकते हैं।

जानवरों को ना करें परेशान

जानवरों को देखकर उन्हें आवाजें लगाने से उनका प्राकृतिक व्यवहार बिगड़ सकता है। उनके पास जाकर अनावश्यक शोर नहीं करना चाहिए, ना ही संगीत बजाना चाहिए। तेज आवाज वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की मनाही होती है। यदि आपको जानवर पास से दिखाई दे तो उन्हें खाने के लिए कुछ नहीं दें। इससे उनको स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं।

पर्यावरण का रखें ध्यान

जंगल में खाने के लिए आप जो भी सामान लेकर जाते हैं, कोल्ड ड्रिंक की बोतल, पानी की बोतलें, चिप्स के पैकेट इन सबका कूड़ा वहां ना छोड़कर आएं बल्कि इन्हें अपने साथ लाएं। जंगल में रहने वाले स्थानीय आदिवासियों से भी अनावश्यक मेल-मिलाप ना करें। उनकी तस्वीर उनकी अनुमति के बगैर ना लें। आदिवासियों की संस्कृति और रीति-रिवाजों का सम्मान करें। यहां बताए गए नियमों का ध्यान रखेंगे तो निश्चित ही आपकी जंगल सफारी शानदार और हमेशा यादगार रहेगी। *

राज्य के अनुसार प्रमुख जंगल सफारी

- जवाई बांध तेंदुआ संरक्षण रिजर्व, राजस्थान
- काबिनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, कर्नाटक
- जिम कार्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड
- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम
- कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश
- सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल
- पेरियार राष्ट्रीय उद्यान, केरल
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश
- बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, कर्नाटक
- ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व, महाराष्ट्र
- पेंच राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र

युवाओं में बढ़ रहा ई-बाइक्स का क्रेज

बेहतरीन फीचर्स, अट्रैक्टिव, कॉम्पैक्ट, स्पोर्टी, फंकी लुक और ट्रेंडी डिजाइंस के कारण ई-बाइक्स आजकल युवाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। इनकी खूबियों और आने वाले दौर में इनके ट्रेंड पर एक नजर।

ऑटो ट्रेंड / वी. कुमार

आज से कुछ साल पहले तक मोटर बाइक्स के मार्केट में ई-बाइक्स की डिमांड न के बराबर थी और युवाओं को तो ये ई-बाइक्स बिल्कुल भी पसंद नहीं आती थीं। लेकिन अब ई-बाइक्स को लेकर यंगस्टर्स की राय काफी बदल रही है।

यंगस्टर्स की बदल रही सोचः वैसे तो ई-बाइक्स हर आयु-वर्ग के लोगों को पसंद आ रही हैं, लेकिन चूंकि बाइक्स ज्यादातर युवा चलाते हैं, इसलिए यह कहना सही होगा कि युवाओं को ये ज्यादा पसंद आ रही हैं। आंकड़ों की बात करें, तो ऑटो मोबाइल को लेकर युवाओं की पसंद-नापसंद पर नजर रखने वाली एक प्रसिद्ध अमेरिकी बिजनेस वेबसाइट के अनुसार- आज अमेरिका में 67 फीसदी ई-बाइक्स के मालिक पुरुष हैं और 33 फीसदी की महिलाएं। इंटरेस्टिंग फैक्ट यह है कि अमेरिका में जितनी भी ई-बाइक्स पिछले तीन सालों में बिकी हैं, उनमें 63 फीसदी के मालिक 18 से 44 साल के युवा हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिकी युवाओं को किस कदर पेट्रोल-फ्री ई-बाइक्स पसंद आ रही हैं। गौरतलब है कि सिर्फ अमेरिका ही नहीं, दुनिया भर के युवाओं में ई-बाइक्स का क्रेज बढ़ा है।

पेट्रोल बाइक्स से बना रहे दूरीः पहले यह माना जाता था कि पॉवर और स्पीड के मामले में जो खूबी पेट्रोल वाहनों को हासिल है, वह इलेक्ट्रिक वाहनों को नहीं हासिल होगी। इसलिए यह अनुमान लगा लिया गया था कि आने वाले सालों में युवाओं को ई-बाइक्स पसंद नहीं आएंगी। लेकिन अब व्यावहारिक सच्चाई बदल चुकी है। आजकल ई-बाइक्स निर्माता दिन-ब-दिन इसके नए और अपडेटेड वर्जंस लांच कर रहे हैं। ऐसे में युवा-वर्ग इसकी ओर खासे आकर्षित हो रहे हैं। आज के युवा ई-बाइक्स को पेट्रोल बाइक्स के बेहतर विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

लुक्स-फीचर्स भी हैं अट्रैक्टिवः ई-बाइक्स को फीचर्स के मामले में भी अब अट्रैक्टिव माना जाने लगा है। देखा जाए तो ई-बाइक्स के जितने खूबसूरत, ट्रेंडी और फंकी डिजाइंस पिछले दो सालों में आए हैं, उतने डिजाइंस तो कभी पेट्रोल-बाइक्स में भी नहीं आए। युवाओं द्वारा ई-बाइक्स पसंद किए जाने का एक कारण इनका अल्ट्रामॉडर्न लुक भी है।

बढ़ रही है स्पीडः पहले यह माना जा रहा था कि ई-बाइक्स की रफ्तार बहुत कम होगी, लेकिन ऐसा नहीं है। हालांकि अभी तक इनकी रफ्तार अधिकतम 50 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक ही है लेकिन उम्मीद है कि इस साल नवंबर-दिसंबर तक 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार वाली ई-बाइक्स अमेरिका और यूरोप में आ जाएंगी। आने वाले सालों में सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली ई-बाइक्स भी सड़कों पर दौड़ने लगेंगी।

लगती हैं कंफर्टेबलः ई-बाइक्स, पेट्रोल-बाइक्स की तुलना में हल्की होती हैं, इसलिए ये युवाओं के साथ-साथ हर आयु-वर्ग के लोगों को पसंद आ रही हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को पैडलिंग ई-बाइक्स भी खूब पसंद आ रही हैं। दरअसल, इनमें मोटर और बैटरी दोनों होती हैं, पर अगर दोनों ही काम न कर रहे हों तो पैडल मारने की सुविधा भी होती है। इन खूबियों के साथ पर्यावरण और भविष्य की चिंताओं से सरोकार रखने वाले युवाओं के साथ-साथ हर वर्ग के लोग पेट्रोल-बाइक्स के बेहतर विकल्प के तौर पर ई-बाइक्स को खूब पसंद कर रहे हैं।

और बढ़ेगा ट्रेंडः पिछले कुछ सालों में अमेरिका ई वाहनों का हब बनकर उभरा है। एक अनुमान के मुताबिक साल 2030 तक दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोगों के पास ई-बाइक्स होंगी। ई-बाइक्स दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन हैं। यहां तक कि बिक्री के मामले में ये इलेक्ट्रिक कारों से भी बहुत आगे हैं। भारत के संदर्भ में अगर भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की भविष्यवाणी पर यकीन करें तो अगले पांच सालों में भारत में सभी तरह के वाहनों में करीब 30 फीसदी से ज्यादा ई-वाहन होंगे। इसलिए अगर आज युवाओं को पेट्रोल फ्री ई-बाइक्स पसंद आ रही हैं तो मानना होगा कि वे भविष्य पर नजर रख रहे हैं। *

मौसमी फल / शिवचरण चौहान

ताजगी दे रसभरा तरबूज

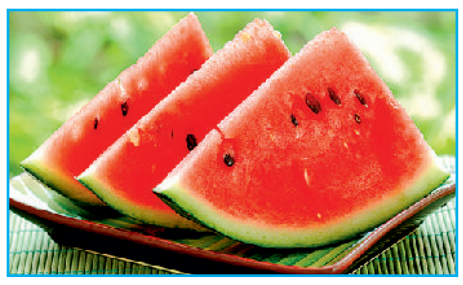

तीरा यानी तरबूज, बेल वाले पौधे में लगने वाला फल है। तरबूज यानी गर्मी में तन को तरावट देने वाला फल। यह गर्मी के मौसम में बालू वाली भूमि पर पैदा होता है। भारत में राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार आदि प्रदेशों में भी यह बहुतायत से उत्पन्न होता है। नदियों की बलुई जमीन में इसकी बेल, आसानी से उग आती है। तरबूज खाने से प्यास शांत होती है और लू नहीं लगती है।

कहां हुई इसकी उत्पत्तिः तरबूज दुनिया में आया कहां से, इसको लेकर बहुत मतभेद हैं। भारत के लोग दावा करते आए हैं कि तरबूज हमारे देश का देशज फल है। दुनिया के लोग अभी तक इसे सूडान का फल मानते रहे हैं। सफेद गूदे वाले तरबूज के फल सूडान के जंगलों में पाए जाते थे, जो जानवरों को खिलाने के काम आते थे और कम मीठे होते थे। ईरान में लाल गूदे वाले तरबूज पाए जाते थे और माना जाता था कि ईरान के रेगिस्तान में तरबूज की उत्पत्ति हुई है लेकिन 3300 वर्ष पूर्व मिस्र के तूती खामीन के मकबरे में तरबूज के बीज मिले थे तो माना गया कि तरबूज की उत्पत्ति मिस्र में हुई होगी। फिर 4300 वर्ष पूर्व की एक पेंटिंग मिस्र के एक गुंबद में मिली, जिसमें एक तश्तरी में कटे हुए तरबूज के लाल रंग की फांके के चित्र बने हुए हैं। इस आधार पर लोग मानने लगे कि मिस्र के लोग लाल गूदे वाले मीठे तरबूज के बारे में बहुत पहले से जानते थे। आज तरबूज पूरी दुनिया में प्यास बुझाने के लिए गर्मियों का एक प्रमुख फल है।

मौजूद प्रमुख तत्वः एक पके तरबूज में 90 प्रतिशत जल, 0.4 प्रतिशत प्रोटीन, 0.3 प्रतिशत वसा, 0.3 प्रतिशत खनिज तत्व, 4 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और लोहा भी पाया जाता है। तरबूज के बीजों में 52 प्रतिशत तेल, 34 प्रतिशत प्रोटीन और अन्य तत्व होते हैं। बीजों की तासीर शीतल होने के कारण शरबत और लस्सी को बनाने में भी इसका प्रयोग किया जाता है।

कई रोगों में उपयोगीः तरबूज के बीज की गिरी मूत्र रोग में रामबाण है और मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करती है। नियमित तरबूज खाने से पेट की खराबी में राहत मिलती है। सूखी खांसी के मरीज को लाभ मिलता है और उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है। जोड़ों के दर्द में यह उपयोगी है। यह रक्त वर्धक भी होता है। लेकिन तरबूज अधिक नहीं खाना चाहिए। *

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

शुरुआती दौर से ही अलग-अलग जॉनर में हिंदी फिल्में बनती रही हैं। लेकिन उनमें से जिस जॉनर की फिल्में दर्शक सबसे ज्यादा पसंद करते हैं, उनमें सस्पेंस-थ्रिलर प्रमुख हैं। किस तरह ये फिल्में दर्शकों को अंत तक बांधे रखती हैं, अब तक की सबसे चर्चित सस्पेंस फिल्में कौन-सी रही हैं, इन पर एक नजर।

दर्शकों को भाती हैं खूब क्लाइमेक्स पर चौंकाने वाली फिल्में

फिल्मी पर्दे पर दर्शक अलग-अलग रंग देखते रहे हैं। उन्हीं में से एक रंग है फिल्म के अंत का रोमांच बनाकर रखना। शुरुआती दौर में इन फिल्मों के क्लाइमेक्स को इतना रोचक बनाया जाता था कि दर्शक समझ नहीं पाता कि ऐसा कैसे संभव है? ऐसी फिल्मों का अंत कुछ ऐसा होता था, जो देखने वालों को चौंकाता था। इनके कथानक को कुछ इस तरह रचा जाता था कि दर्शक उसके आकर्षण में फंस जाते थे। वे कहानी के ट्विस्ट की असलियत समझ नहीं पाते और जब राज खुलता तो ऐसा पात्र संदेहों से घिरा मिलता, जिस पर किसी की नजर नहीं जाती थी। सस्पेंस फिल्मों में चौंकाने वाले इस तरह के अंत का दौर अभी खत्म नहीं हुआ है।

नया नहीं थ्रिलर का क्रेजः पुराने दौर से लेकर अब तक कई थ्रिलर फिल्में आती रही हैं, लेकिन सभी दर्शकों को बांधने में सफल नहीं हो पाईं। याद वही फिल्में रहती हैं, जिन्होंने अपनी पटकथा और डायरेक्शन का जादू दिखाया। पुरानी फिल्मों में 'तीसरी मंजिल', 'ज्वेल थीफ', 'इत्तेफाक', 'गुमनाम' और आज के दौर की 'ए वेडनस-डे', 'बदला', 'हमराज', '100 डेज' के बाद आयुष्मान खुराना की फिल्म 'अंधाधुन' और अजय देवगन की दोनों 'दृश्यम' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनके क्लाइमेक्स ने दर्शकों को चौंकने पर मजबूर कर दिया था। 'अंधाधुन' ने तो एक नया ट्रेंड बना दिया। इसमें एक अंधे आदमी का किरदार काफी रहस्यमय था। फिल्म की कहानी इसी के आस-पास घूमती है। इस पूरी फिल्म में अच्छा-खासा सस्पेंस बनाकर रखा गया।

विजय आनंद ने की शुरुआतः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हिंदी फिल्मों में मर्डर मिस्ट्री और सस्पेंस फिल्मों की शुरुआत का श्रेय विजय आनंद को जाता है। उन्होंने 'तीसरी मंजिल' और 'ज्वेल थीफ' उस दौर में बनाने की हिम्मत की, जब दर्शकों को ऐसी कहानियों का अंदाजा भी नहीं था। पर, विजय आनंद ने दर्शकों पर अपना जादू चलाया और उनकी ऐसी कई फिल्में पसंद की गईं। उन्होंने ऐसे कई प्रयोग किए, जो सस्पेंस से लबरेज थे।

दर्शकों को भाती हैं ऐसी फिल्मेंः सस्पेंस और थ्रिलर हमेशा ही दर्शकों का पसंदीदा फिल्म जॉनर रहा है। उन्हें ऐसी सस्पेंस फिल्में ही ज्यादा पसंद आती हैं, जिसके अंत के बारे में सारे अनुमान गलत निकलें। फिल्म के क्लाइमेक्स में ऐसा शख्स सामने आए, जिसका दर्शकों ने अनुमान भी नहीं लगाया हो! ऐसी ही फिल्में दर्शकों को बांधने वाली होती हैं। इसीलिए दर्शक सस्पेंस, थ्रिलर और मर्डर मिस्ट्री देखना पसंद करते हैं। हालांकि ये तीनों ही अलग-अलग शैलियां हैं। थ्रिलर फिल्मों में एक्शन होता है, लेकिन सस्पेंस नहीं। उनमें सस्पेंस की घटनाएं होती हैं, जिनका राज धीरे-धीरे खुलता रहता है। सस्पेंस फिल्म में न तो रहस्य जरूरी है और न एक्शन। इनमें चौंकाने वाले सीन ज्यादा होते हैं, जो दर्शक को सोचने का मौका भी नहीं देते। मिस्ट्री और सस्पेंस थ्रिलर फिल्में एक जैसी नहीं होती हैं। दोनों का ट्रीटमेंट अलग-अलग होता है। सस्पेंस फिल्मों में राज धीरे-धीरे खुलते हैं पर, मिस्ट्री फिल्मों में सिर्फ एक राज होता है, जिस पर से फिल्म के अंत में पर्दा उठता है। पूरी कहानी अनजान हत्यारे की खोज पर आधारित होती है। संदेह के लिए कई पात्रों को निशाने पर रखा जाता है। कभी फिल्म के नायक, नायिका या सबसे शरीफ पात्र के भी कातिल होने के हालात निर्मित किए जाते हैं। यानी दर्शकों को बांधने और उनका ध्यान बांटने के लिए कई हथकंडे रचे जाते हैं। दर्शकों को भी वही सस्पेंस फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं, जो उन्हें चौंका दें। 'तीसरी मंजिल', 'ज्वेल थीफ', 'कत्ल' के बाद 'गुप्त' ऐसी ही रोचक फिल्में थीं, जिसके अंत का अंदाजा अनुमान से अलग था।

ये फिल्में रही हैं चर्चितः रामगोपाल वर्मा की 'कौन' को बॉलीवुड की बेस्ट साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म कहा जाता है। यह पूरी फिल्म घर में बंद एक लड़की (उर्मिला मातोंडकर) की कहानी है, जो अजनबी (मनोज बाजपेयी) से बचने की कोशिश में रहती है। लेकिन, फिल्म का क्लाईमेक्स दर्शकों के होश उड़ा देता है। इसी तरह की फिल्म 'फोबिया' भी थी, जिसमें राधिका आप्टे ने काम किया। बॉबी देओल, काजोल और मनीषा कोइराला की 'गुप्त' बेहतरीन सस्पेंस थ्रिलर फिल्म थी। इसमें अंत तक किसी का ध्यान नहीं जाता और खलनायिका काजोल निकलती है। विद्या बालन की 'कहानी' और 'कहानी-2' दोनों ही फिल्में दर्शकों को अंत तक कुर्सी से बांधकर रखती हैं। 'बदला' को भी मर्डर मिस्ट्री फिल्म माना जाता है। इसे अंत तक देखने के बाद ही समझ आता है कि आखिर सच्चाई क्या है?

हाल के वर्षों में आई सस्पेंस फिल्मों में 'दृश्यम' सीरीज सबसे अच्छी मानी जा सकती है। इसमें अपराधी सामने होता है, लेकिन न तो पुलिस उसे पकड़ पाती है और न दर्शकों को समझ आता है कि उसने ये सब किया कैसे होगा?

इन्हें भी किया दर्शकों ने पसंदः यहां ऊपर जिन फिल्मों का जिक्र किया गया उनके अलावा कुछ और फिल्में जैसे- 'मेरा साया', 'धुंध', 'अपराधी कौन', 'कब क्यों और कहां', 'वो कौन थी', 'डिटेक्टिव व्योमकेश बक्शी', 'भूल-भुलैया', 'तलवार' का भी जादू दर्शकों पर जमकर चला। *

मेल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा

गर्मी के मौसम में अधिकतर यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस पहनना चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ ट्रेंडी भी हों। यही वजह है कि इन दिनों चिनो शॉर्ट्स यंगस्टर्स को खूब भा रहे हैं। इनकी खासियतों के बारे में आप भी जानिए।

यंगस्टर्स को भा रहे हैं कंफर्टेबल चिनो शॉर्ट्स

गर्मी के मौसम में हम सभी ऐसी ड्रेस पहनना चाहते हैं, जो कंफर्टेबल हो और जिसमें गर्मी का अहसास भी कम हो। ये दोनों खूबियां चिनो शॉर्ट्स में मौजूद होती हैं, इसीलिए यंगस्टर्स इन्हें काफी पसंद करते हैं। चिनो शॉर्ट्स, शुद्ध सूती कपड़े के बने होते हैं। यानी इनका फैब्रिक, कपास (कॉटन) से बना होता है। इसलिए गर्मी के मौसम में पहनने के लिए चिनो शॉर्ट्स परफेक्ट माने जाते हैं।

वैरायटीज हैं बहुतः वैसे तो चिनो शॉर्ट्स में आपको कलर्स और डिजाइन की बहुत वैरायटीज मिल जाएंगी लेकिन इस साल खाकी चिनो शॉर्ट्स ट्रेंड में हैं। वैसे आप अपनी पसंद के किसी दूसरे कलर का चिनो शॉर्ट्स भी ले सकते हैं। वैरायटी की लंबी रेंज की वजह से ही यंगस्टर्स ही नहीं हर एज ग्रुप के लोग इसे पहन सकते हैं। देश-विदेश में कई ब्रांडेड कंपनियां चिनो शॉर्ट्स बनाती हैं। इसकी वजह यह है कि पूरी दुनिया में इन दिनों युवाओं के बीच सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले शॉर्ट्स, चिनो शॉर्ट्स ही हैं।

ऐसे करें टीमअपः यह कहना गलत नहीं होगा कि चिनो शॉर्ट्स पिछले कुछ समय से युवाओं की ग्लोबल फेवरेट बॉटम वियर बन गए हैं। इन्हें टैक्सीडो जैकेट और फ्लिप-फ्लॉप डेक शूज के साथ या फिर लूज टी-शर्ट या स्निकर के साथ टीमअप किया जा सकता है।

नॉर्मल शॉर्ट्स से हैं अलगः चिनो शॉर्ट्स के फैब्रिक और डिजाइन के कारण ये नॉर्मल-ट्रेडिशनल शॉर्ट्स से अलग होते हैं। वैसे तो नॉर्मल शॉर्ट्स की तरह चिनो शॉर्ट्स भी थिन कॉटन टवील फैब्रिक से बने होते हैं। लेकिन थोड़ी इलास्टिसिटी के लिए इनमें तीन से पांच फीसदी तक नॉनकॉटन मैटीरियल भी मिलाया जाता है।

होते हैं कंफर्टेबलः चिनो शॉर्ट्स कई देशों समेत अपने देश में भी इसलिए तेजी से पॉपुलर हो रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में हमारी त्वचा को जब चिपचिपाहट और उसम के कारण अनकंफर्टेबल फील होता है, तब चिनो शॉर्ट्स वियर करना बहुत कंफर्टेबल लगता है। चिनो शॉर्ट्स का लाइट और सॉफ्ट फैब्रिक न सिर्फ घर में फुर्सत के समय बल्कि सफर के दौरान भी पहनना आरामदायक होता है। चिनो शॉर्ट्स पहनने में जो बात सबसे अच्छी महसूस होती है, वह होती है फ्री बॉडी मूवमेंट। इसे पहनकर आप आराम से किसी भी दिशा में झुक सकते हैं, मूव कर सकते हैं। ये

बिल्कुल शरीर की गतिविधियों के मुताबिक अपने आप एडजस्ट हो जाते हैं। इसलिए इन्हें पहनने में सुविधा महसूस होती है। चिनो शॉर्ट्स का डिजाइन भी अट्रैक्टिव होता है। इसलिए इसे पहनकर स्मार्ट फीलिंग भी आती है।

जब सेलेक्ट करें शॉर्ट्सः इन दिनों गर्मी का मौसम है। इस दौरान अगर आप चिनो शॉर्ट्स पहनना चाहते हैं तो इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि वे कॉटन फैब्रिक के ही बने हों। एक और बात ध्यान रखनी चाहिए कि शॉर्ट्स बहुत लूज या बहुत हैवी नहीं होने चाहिए। पहनने में आपको कंफर्टेबल फील होना चाहिए। अगर घूमने, फिरने के दौरान शॉर्ट्स पहनना चाहते हैं तो ध्यान रखें ये थिन, लूज और कैजुअल बीच शॉर्ट्स होने चाहिए। वैसे चिनो शॉर्ट्स ज्यादातर गर्मियों में पहने जाते हैं, लेकिन 12 से 30 सेंटीमीटर लंबे ये शॉर्ट्स किसी भी अन्य मौसम में भी पहने जा सकते हैं। *